

जनता के पैसे पर डकैती डालने वालों की जेबें मोदी ने खाली कराईं: योगी

लोकभवनमें ‘नमो सेवा अनकही कहानियां’ पर आधारित नाट्य श्रृंखला मंचन कार्यक्रम को सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया संबोधित

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जनधन खाते खोले जा रहे थे तो विपक्ष खिल्ली उड़ता था कि खाली खाते खोलकर क्या होगा। आज बिना रुके, बिना झुके और बिना डिग्रे पता चल गया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने जनता के पैसे पर डकैती डालने वालों की जेबें खाली कराईं और गरीब का पैसा सीधे उसके खाते तक पहुंचाया। जिनकी जेबों तक जनता का पैसा पहुंचता था, उन्हें बुरा लगना और उनका विरोध करना स्वाभाविक है। मुख्यमंत्री शुक्रवार को लोकभवन सभागार में सेवा संकल्प अभियान के तहत ‘नमो सेवा अनकही कहानियां’ पर आधारित नाट्य श्रृंखला मंचन कार्यक्रम को संबोधित कर



रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी 7 अक्टूबर को गुजरात के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के रूप में जनसेवा के 25 वर्ष पूरे करेंगे। यह बिना रुके, बिना झुके और बिना डिग्रे सेवा की यात्रा है। इसमें विरासत और विकास के समन्वय के साथ बिना भेदभाव योजनाओं को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि सात अक्टूबर 2001 को मोदी जी ने ऐसे समय गुजरात की जिम्मेदारी संभाली, जब राज्य भूकंप की त्रासदी से जूझ रहा था। इसके बाद दलों की चुनौती भी आई। इन परिस्थितियों के बीच गुजरात तेजी से उभरते राज्य और विकास के मॉडल के रूप में सामने आया। मुख्यमंत्री ने कहा

जाता। इसके बाद किसी जाति, मत, मजहब, क्षेत्र या भाषा के बजाए 140 करोड़ भारतीयों को केंद्र में रखकर योजनाएं आगे बढ़ाई गईं। पहले योजनाएं बनती थीं, लेकिन प्रभावी ढंग से जमीन तक नहीं पहुंचती थीं। आज गरीबों तक आवास, रसोई गैस, शौचालय, स्वास्थ्य बीमा और मुफ्त राशन जैसी सुविधाएं पहुंच रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के लिए स्टार्टअप और रोजगार के नए अवसर बने हैं। हाईवे, एक्सप्रेसवे, रेलवे, मेट्रो और एयरपोर्ट का विस्तार हुआ है। पहले कोई प्रधानमंत्री यह दावा नहीं कर पाया कि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई जहाज की यात्रा कर सकता है।

कैप्टन स्मित मच्छार ने देशवासियों का सिर गर्व से ऊंचा किया: मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कई लोगों की जान बचाने वाले जांबाज पायलट कैप्टन स्मित मच्छार से शुक्रवार को टेलीफोन पर बातचीत कर उनके स्वास्थ्य का हाल जाना और कॉकपिट में हुए जानलेवा हमले के दौरान दिखाई गयी उनकी अदम्य वीरता, तेजी से फैसला करने की क्षमता और सूझबूझ की सराहना की। श्री मोदी ने सऊदी अरब में इलाज करा रहे कैप्टन मच्छार से फोन पर हुई बातचीत के दौरान कहा कि संकट की घड़ी में सेकंड के बेहद छोटे हिस्से में लिये गये उनके फैसले ने सैकड़ों यात्रियों की जान बचाई है। उन्होंने कहा कि गंभीर चोटें आने और जीवन एवं मृत्यु के बीच संघर्ष करने के बावजूद अपनी जान की परवाह न करते हुए यात्रियों की रक्षा कर कैप्टन मच्छार ने 140 करोड़ देशवासियों का सिर गर्व से ऊंचा किया है। उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती का संदर्भ देते हुए कहा कि आज पूरा देश गर्व से कह सकता है, हम जान लेने वाले नहीं बल्कि जान बचाने वाले लोग हैं और कैप्टन स्मित मच्छार ने वास्तविक जीवन में अहिंसा एवं रक्षा के भाव को चरितार्थ किया है।



भारतीय महिला हॉकी टीम ने जीता स्वर्ण

एशियाड में खत्म किया 44 साल का सूखा, चीन को हराया ; ओलंपिक का टिकट पक्का

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीत लिया है। भारत ने चीन को फाइनल में 1-0 से हराया। भारत ने इस तरह 1982 के बाद पहली बार एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीता है। भारतीय महिला हॉकी टीम ने 44 साल का सूखा समाप्त किया। इस जीत के साथ ही भारतीय महिला हॉकी टीम ने 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर लिया है। भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर में बहुत हासिल की और अंत तक इस बढ़त को बनाए रखा। भारत ने ना सिर्फ स्वर्ण पदक अपने नाम किया, बल्कि चीन को स्वर्ण का बचाव करने से रोका। भारतीय टीम ने चीन के खिलाफ पहले क्वार्टर से दबाव बनाया। बलजीत कौर को छठे मिनट में ग्रीन कार्ड मिला। लेकिन भारत ने चीन पर



दबाव बनाया और भारत के लिए 200वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रही लालरेमसियामी ने 10वें मिनट में मैदानी गोल दागा। इस तरह भारत ने शुरुआत में ही 1-0 की बढ़त बनाई। भारत को इसके बाद पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन भारतीय टीम बहुत दौगुना करने से चूक गई। हालांकि, पहला क्वार्टर समाप्त होने तक भारतीय टीम बढ़त बनाए रखी। चीन ने दूसरे क्वार्टर में आक्रामक खेल दिखाया और लगातार भारत पर दबाव

बनाए रखा। चीन ने तब राहत की सांस ली, जब उसे पेनल्टी स्ट्रोक मिला। चीन के लिए बराबरी हासिल करने के यह शानदार मौका था, लेकिन भारतीय महिला टीम की अनुभवी गोलकीपर सविता पूर्निया ने दमदार बचाव कर चीन को बराबरी करने से रोका। इसके बाद भी चीन का आक्रामण जारी रहा, लेकिन भारतीय डिफेंस ने शानदार प्रदर्शन कर चीन की हर कोशिश को नाकाम किया। दूसरे क्वार्टर में

भारत अधिक डिफेंसिव होकर खेल रहा था। हाफ टाइम तक भारत 1-0 से आगे रहा। इस दौरान 28वें मिनट में वेन डान को ग्रीन कार्ड दिखाया गया। भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर में बढ़त ली, लेकिन चीन लगातार आक्रमण करता रहा। इस दौरान भारत ने डिफेंस में शानदार खेल दिखाया। भारत के पास बहुत की बरकरार रखने की चुनौती थी। भारतीय खिलाड़ियों ने चीन के हर हमले को नाकाम किया और अंत तक बढ़त बनाए रखी। चीन ने आखिरी कुछ मिनटों में रणनीति में बदलाव किया और अपने गोलकीपर को बाहर बैठया। चीन ने इस तरह अटैकिंग में एक अतिरिक्त खिलाड़ी को उतारा। लेकिन उसकी रणनीति सफल नहीं हुई क्योंकि भारत ने अंत में डिफेंस से ज्यादा अटैकिंग करने पर ध्यान दिया।

स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं: सीआरपाटिल

नवसारी, (एजेंसी)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती, पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती एवं स्वच्छ भारत दिवस के अवसर पर शुक्रवार को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा कि स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री पाटिल ने आज नवसारी जिले के चिखली स्थित माजीगाम ग्राम पंचायत में ‘स्वच्छता ही सेवा’ अभियान के तहत आयोजित विशेष ग्रामसभा में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से संवाद किया और सफाईकर्मियों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री पाटिल ने कहा कि महात्मा गांधी ने स्वतंत्रता के साथ स्वच्छता के महत्व पर भी जोर दिया था। देश को स्वतंत्रता मिलने के बाद स्वच्छता को जन-जन का संकल्प बनाने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में व्यापक प्रयास किए गए हैं।

यूपी समेत कई राज्यों में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश के उत्तर-पश्चिमी हिस्सों से दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी शुरू हो गई है, लेकिन बारिश का दौर अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, 2 से 8 अक्टूबर के बीच पूर्वोत्तर, पूर्वी, मध्य और दक्षिण भारत के कई राज्यों में बारिश जारी रहने की संभावना है। उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में भी अगले कुछ दिनों तक बारिश और गरज-चमक की गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। मानसून की वापसी के साथ पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों से बारिश की गतिविधि में बदलाव देखने को मिलेगा। हालांकि, आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र



और उत्तर भारत के कुछ इलाकों में 5 से 8 अक्टूबर के बीच बारिश हो सकती है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में 6 से 8 अक्टूबर, हिमाचल प्रदेश में 5 से 8 अक्टूबर और उत्तराखंड में 5-6 तथा 8 अक्टूबर को बारिश की संभावना है। पंजाब में 7-8 अक्टूबर, जबकि हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 6-8 अक्टूबर के दौरान बारिश हो सकती है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 6-7 अक्टूबर और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 5-8 अक्टूबर तक बारिश का अनुमान है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी अगले कुछ

दिनों तक मौसम बदल सकता है। पूर्वी मध्य प्रदेश में 6 से 8 अक्टूबर और छत्तीसगढ़ में 5 से 8 अक्टूबर के बीच कुछ स्थानों पर बारिश होने की संभावना है। 6-8 अक्टूबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में गरज-चमक, बिजली गिरने और तेज हवाओं की स्थिति बन सकती है। पूर्वी भारत में पश्चिम बंगाल, सिक्किम और अंडमान-निकोबार में 2 से 8 अक्टूबर तक बारिश की गतिविधियां जारी रह सकती हैं। बिहार, झारखंड और ओडिशा में 5 से 8 अक्टूबर के बीच कुछ स्थानों पर बारिश का अनुमान है। बिहार में 6 से 8 अक्टूबर के दौरान गरज, बिजली और तेज हवाओं की संभावना भी है। पूर्वोत्तर भारत में अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 2 से 8 अक्टूबर तक बारिश हो सकती है।

मुंबई के शिवाजी पार्क में सीजेपी प्रदर्शन को लेकर तनाव

मुंबई एजेंसी। गांधी जयंती के मौके पर मुंबई का छत्रपति शिवाजी महाराज पार्क शुक्रवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रस्तावित प्रदर्शन को लेकर सुरक्षा घेरे में है। सीजेपी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अपने आंदोलन की शुरुआत शिवाजी पार्क से करने का ऐलान किया है। प्रदर्शन शाम 4 बजे गेट नंबर 6 के पास प्रस्तावित है। हालांकि, मुंबई पुलिस ने इस प्रदर्शन को अनुमति नहीं दी है। इसके बावजूद सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके और संगठन के समर्थक आंदोलन पर अड़े हुए हैं। प्रदर्शन की घोषणा के बाद शिवाजी पार्क और आसपास के इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया है और मैदान के प्रवेश मार्गों पर बैरिकेडिंग की गई है। दादर रेलवे स्टेशन के आसपास भी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई है। अधिकारियों की कोशिश है कि बिना अनुमति बड़ी संख्या में लोग मैदान के भीतर प्रवेश न कर सकें।

भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर दो पाकिस्तानी घुसपैठिए डेर

तरनतारन। भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे तरनतारन जिले में घुसपैठ की कोशिश के दौरान बीएसएफ की फायरिंग में दो पाकिस्तानी नागरिकों की मौत हो गई। घटना खालड़ा थाना क्षेत्र के गांव राजोके के पास स्थित बीओपी राजोके इलाके में दोपहर करीब 12 बजे की बताई जा रही है। बीएसएफ जवानों ने सीमा के पास संदिग्ध गतिविधि देखी और भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे लोगों को रुकने की चेतावनी दी। इसके बावजूद जब उन्होंने आगे बढ़ना जारी रखा तो जवानों ने फायरिंग की। फायरिंग में दो लोगों की मौत पर ही मौत हो गई। बीएसएफ के मुताबिक दोनों पाकिस्तान के नागरिक थे, हालांकि उनकी पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। घटना के दौरान एक अन्य संदिग्ध व्यक्ति भी भारतीय सीमा में दाखिल होने की कोशिश कर रहा था। बताया जा रहा है कि फायरिंग शुरू होने के बाद वह वापस पाकिस्तान की तरफ भागने में सफल रहा। घटना के बाद सीमा क्षेत्र में चौकसी बढ़ा दी गई है। सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि घुसपैठ की कोशिश के पीछे क्या मकसद था और मोरे गए व्यक्तियों के पास किसी तरह की संदिग्ध सामग्री या सामान मौजूद था या नहीं।

NEW

Crocina

Cof & Throat

For quick relief from sore throat.

Starts to work from 1st minute*

*McNelly, et al (2009); Wade, et al (2011). *Data on file – Consumer Research study 2023; Wade, et al (2011). Creative visualization. ©2024. Trademarks are owned by or licensed to Haleon group of companies. Actual product may differ in appearance and size. Use as directed on pack.

पिता से विवाद में बेटे को लगी गोली

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

वाराणसी। शहर के ककरमता न्यू कॉलोनी स्थित लोहित रेजिडेंसी अपार्टमेंट में शनिवार को पिता और पुत्र के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इस दौरान पिता के नाम की लाइसेंसी पिस्टल से संदिग्ध हाल में चली गोली से पुत्र जखमी हो गया।उसे बीएचयू ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। वह सड़क निर्माण संबंधी ठेकेदारी करता है। लोहित रेजिडेंसी में बिंदा कुमार सिंह, उनकी पत्नी और बड़ा पुत्र 35 वर्षीय प्रवीण कुमार सिंह रहते हैं। बिंदा कुमार सिंह अरुणाचल प्रदेश में लोक निर्माण विभाग में अवर अभियंता पद से रिटायर हैं। उनका छोटा बेटा अमित सिंह भी अरुणाचल प्रदेश में सरकारी कर्मचारी है। यहां अक्सर ही पिता बिंदा और पुत्र प्रवीण के बीच किसी न किसी बात को लेकर विवाद होता रहता है। शनिवार दोपहर बाद दोनों में विवाद इतना बढ़ गया कि धक्कामुक्की की नौबत आ गई। इस दौरान बिंदा सिंह के लाइसेंसी पिस्टल से गोली चली, जो प्रवीण के दाएं हाथ बांह में ऊपर की ओर लग गई। गोली कंधे में जाकर धंस गई। घटना के बाद पिता ने ही पुलिस को सूचना दी। पुलिस घायल प्रवीण को लेकर बीएचयू ट्रामा सेंटर पहुंची। पिता को हिरासत में ले लिया गया है। इस्पेक्टर भेलूपुर दुर्गा सिंह ने बताया कि तहरीर मिलने के आधार पर केस दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। बताया कि आरंभिक छानबीन में सामने आया है कि पिता और पुत्र के बीच अक्सर विवाद होता रहता है। विवाद के दौरान ही गोली चली। गोली किसके हाथ से चली, पूछताछ कर जानकारी ली जा रही है।

एसीपी भेलूपुर गौरव कुमार ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। घायल से पूछताछ की। उधर, घटना के बाद कॉलोनी के लोग सहमे नजर आए। अमूमन पिता और पुत्र कॉलोनी में लोगों से बहुत कम मिलते थे। पुलिस के अनुसार बड़ा पुत्र ठेकेदारी से जुड़ा है। हालांकि बहुत कम काम मिल पाता है। ऐसे को लेकर उसका पिता से विवाद होता रहता है। पूछताछ में सामने आया कि बिंदा सिंह का आशुपुर में भी एक मकान है। उस मकान पर भी कुछ दिन पहले काफी विवाद हुआ था, लेकिन घर पर ही मामला शांत हो गया। उधर, घायल प्रवीण की मां भी पुलिस को कुछ बताने से मना करती रही।

एटीएस कमांडो ने लिया सीपीआर का प्रशिक्षण

वाराणसी, कार्यालय संवाददाता। सेवा संकल्प अभियान के तहत एटी टेरिस्ट स्कॉड (एटीएस) ईस्ट जोन के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं कमांडो को शुक्रवार को सीपीआर-एईडी का विशेष व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। सीपीआर विशेषज्ञ डॉ. शिवशक्ति प्रसाद द्विवेदी ने कार्डियक अरेस्ट की स्थिति में तत्काल सीपीआर शुरू करने की सही प्रक्रिया, प्रभावी चेस्ट कंप्रेशन तथा एईडी के सुरक्षित, प्रभावी उपयोग का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रैक्टिकल अभ्यास कराकर आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया की बारीकियां समझाई गईं। डॉ. द्विवेदी ने कहा कि वर्दी की जिम्मेदारी सुरक्षा तक सीमित नहीं, जरूरत पड़ने पर जीवन बचाना भी है। यह प्रशिक्षण एटीएस कर्मियों को किसी जरूरतमंद व्यक्ति के लिए तत्काल जीवनरक्षक सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इस दौरान एटीएस ईस्ट के डिप्टी एसपी विपिन राय, वरिष्ठ निरीक्षक भारत भूषण तिवारी आदि मौजूद थे।

राखी पर किया वादा निभाया, चार केजीबीवी में पांच स्मार्ट क्लास शुरू

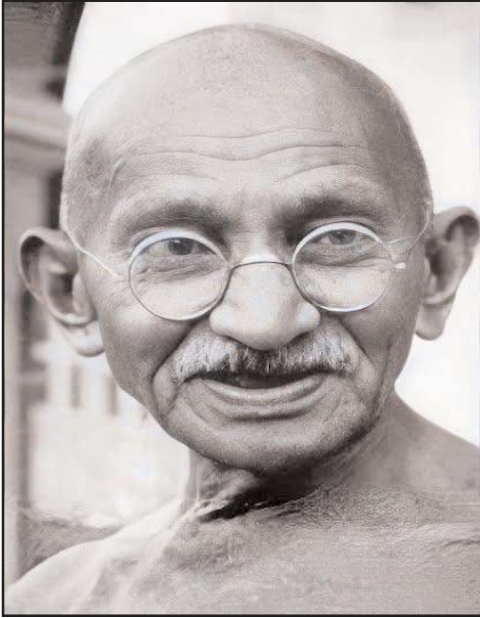
बाराबंकी। रक्षाबंधन पर कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय (केजीबीवी) की छात्राओं से किया वादा जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने पूरा कर दिया। छात्राओं ने राखी बांधकर विद्यालय में स्मार्ट क्लास की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की थी। जिलाधिकारी की पहल पर अब जिले के चार केजीबीवी में कुल पांच स्मार्ट क्लास स्थापित कर दी गई हैं। इनमें मसौली में दो, देवा, सिरौलीगौसपुर और फतेहपुर में एक-एक स्मार्ट क्लास शामिल है। यह सुविधा बैंक ऑफ महाराष्ट्र के सीएसआर फंड के माध्यम से उपलब्ध कराई गई है। स्मार्ट क्लास शुरू होने से छात्राओं को डिजिटल शैक्षिक सामग्री, विषयवार वीडियो, प्रस्तुतियां, एनिमेशन और अन्य तकनीकी संसाधनों के जरिए पढ़ाई का अवसर मिलेगा। खासकर विज्ञान और गणित जैसे विषयों की जटिल अवधारणाओं को दृश्य माध्यम से समझने में मदद मिलेगी। इससे कक्षा शिक्षण को अधिक रुचिकर और प्रभावी बनाने में भी सहायता मिलेगी।

बाराबंकी में आज गूंजेगी रामधुन चरखे से स्वावलंबन का संदेश

- **गांधी भवन में प्रभात फेरी से शुरू होगा गांधी जयंती समारोह**
- **शाम को पत्रकार राजेन्द्र गौतम, अरविन्द सिंह समेत कई विभूतियां होंगी सम्मानित**

लोक हस्तक्षेप समाचार

बाराबंकी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर 2 अक्टूबर को गांधी भवन में रामधुन के साथ गांधी जयंती समारोह की शुरुआत होगी। सुबह महात्मा गांधी स्पोर्ट्स क्लब के बच्चों की प्रभात फेरी के बाद मुख्य अतिथि पूर्व आइजी राजेश कुमार पाण्डेय ध्वजारोहण करेंगे। इसके बाद चरखा कार्यक्रम होगा। गांधी विचार गोष्ठी में प्रबुद्धजन गांधी के विचारों और उनकी प्रासंगिकता पर अपने विचार रखेंगे। शाम छह बजे गांधी भवन में गांधी जीवन-दर्शन, मद्य निषेध, कोमी एकता और स्वदेशी स्वावलंबन विषयों पर परिचर्चा के साथ सामाजिक सहभागिता सम्मान समारोह आयोजित होगा। समारोह में पत्रकारिता, साहित्य, शिक्षा, समाजसेवा, चिकित्सा और विधि क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा। इस वर्ष वरिष्ठ पत्रकार, गांधीवादी अध्येता और प्रतिष्ठित



चिंतक राहुल देव को महात्मा गांधी सम्मान से अलंकृत किया जाएगा। यह सम्मान पत्रकारिता और वैचारिक विमर्श के क्षेत्र में उनके लंबे योगदान के लिए प्रदान किया जा रहा है। सम्मान श्रृंखला में वरिष्ठ पत्रकार नवीन जोशी को आचार्य नरेंद्र देव सम्मान, जेपी आंदोलन से जुड़े रामसेवक यादव को

जेपी सेनानी सम्मान और समाजवादी चिंतक, लेखक एवं कवि उदय प्रताप सिंह को डॉ. लोहिया सम्मान दिया जाएगा। वरिष्ठ पत्रकार एवं राज्यसभा चैनल के पूर्व संपादक अरविंद कुमार सिंह को प्रभाष जोशी पत्रकारिता सम्मान, वरिष्ठ पत्रकार एवं दलित चिंतक राजेंद्र गौतम को डॉ. भीमराव आंबेडकर सम्मान और शिक्षाविद सुजीत चतुर्वेदी को 'डॉ. संपूर्णानंद शिक्षा सम्मान प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा राष्ट्रवादी अध्येता एवं भाजपा नेता मनीष शुक्ला को पंडित दीनदयाल उपाध्याय सद्भावना अवार्ड, समाजसेविका राखी कबीर को अरुणा आसफ अली सम्मान और जनसेवा के क्षेत्र में सक्रिय राय स्वर्श्वर बली को चंद्रभानु गुप्ता जनसेवा सम्मान दिया जाएगा। साहित्य के क्षेत्र में

नागरी प्रचारिणी सभा के प्रधानमंत्री व्योमेश शुक्ल को मनु शर्मा हिंदी साहित्य सम्मान तथा प्रख्यात शायर हसन काजमी को 'मजाज उर्दू साहित्य सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में छुआछूत मिटाओ अभियान के तहत समरसता सहभोज आयोजित होगा।

गांधी सिर्फ इतिहास नहीं बल्कि आज की जरूरत: गोप

गांधी भवन में महात्मा गांधी सप्ताह का भव्य शुभारंभ, नई पीढ़ी को गांधी के विचारों से जोड़ने पर दिया जोर

बाराबंकी एंजेंसी। गांधी जयंती समारोह ट्रस्ट की ओर से आयोजित महात्मा गांधी सप्ताह का गुरुवार को गांधी भवन में भव्य शुभारंभ हुआ। पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद कुमार सिंह गोप ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रमों का उद्घाटन किया। समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी एवं इंदगाह कमेटी के अध्यक्ष मो. उमैर क़िदवाई ने की। उद्घाटन अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद कुमार सिंह गोप ने कहा कि महात्मा गांधी केवल इतिहास के एक अध्याय नहीं, बल्कि देश के सामाजिक जीवन के लिए आज भी प्रासंगिक विचारधारा हैं। उनके सत्य, अहिंसा, गांधीचारे और मानवता के संदेश को जीवन में उतारना ही बापू को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि गांधी के विचारों को नई पीढ़ी



तक पहुंचाने के लिए लगातार संवाद और ऐसे आयोजनों की आवश्यकता है। कार्यक्रम संयोजक एवं ट्रस्ट अध्यक्ष राजनाथ शर्मा ने कहा कि आज समाज गांधी के रास्ते से भटकता जा रहा है। राजनीतिक क्षेत्र में भी गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि जिस सत्याग्रह और संघर्ष के रास्ते ने देश को आजादी दिलाई, आज उस रास्ते पर चलने और संघर्ष करने का साहस कम होता जा रहा है। आज न कोई सत्याग्रह करने को तैयार है और न ही जेल जाने को। शर्मा ने कहा कि गांधी को लेकर देश में भ्रमक प्रचार किया जा रहा है और

समाज को बांटने की कोशिशें हो रही हैं। हमें यह याद रखना चाहिए कि गांधी हमारे पुरखे हैं और उनके विचार देश की साझा विरासत हैं। गांधी के विचारों को कमजोर करने के बजाय नई पीढ़ी को उनके संघर्ष, त्याग और सिद्धांतों से परिचित कराने की जरूरत है। सभा की अध्यक्षता कर रहे मो. उमैर क़िदवाई ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी तेज बदलाव के दौर से गुजर रही है। ऐसे समय में गांधी के सत्य, अहिंसा, सहिष्णुता और सामाजिक सद्भाव के विचार युवाओं को नई दिशा दे सकते हैं। पूर्व ब्लाक प्रमुख सुंदर वर्मा ने कहा

कि गांधी के जीवन, संघर्ष और समाज के प्रति उनके दृष्टिकोण को याद करते हुए कहा कि गांधी के विचार किसी एक समय या वर्ग तक सीमित नहीं हैं। सभा की अध्यक्षता पाटेश्वरी प्रसाद ने की। कार्यक्रम में गांधी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और नई पीढ़ी को उनके जीवन, संघर्ष एवं सिद्धांतों से जोड़ने का आह्वान किया गया। इस मौके पर डीसीडीएफ के पूर्व चेयरमैन एवं वरिष्ठ कृषि सलाहकार शिवशंकर शुक्ला, उ.प्र. को-ऑपरेटिव बैंक के पूर्व चेयरमैन धीरेन्द्र वर्मा, पूर्व विधायक रामगोपाल रावत, जिला बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष वृजेश दीक्षित, रविकांत पाण्डे, अनवर महबूब क़िदवाई, सलाहकार क़िदवाई, संदीप सिंह, हुमायूँ नईम खान, विनय कुमार सिंह, मृत्युंजय शर्मा, सभासद शिवा शर्मा, अरूण यादव, पूर्व डीडीसी उमेश रावत, वीरेन्द्र प्रधान, सत्यवान वर्मा, धनंजय शर्मा, साकेत मोर्य, अशोक जायसवाल, ज्ञान सिंह यादव, नीरज दूबे समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

बाबा बैजनाथ सेवा समित फतेहपुर के सेवादारों ने कराया नि : शुल्क भोजन

- **हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद**

लोक हस्तक्षेप समाचार

फतेहपुर। बाबा बैजनाथ सेवा समित फतेहपुर के संस्थापक एवं इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के आजीवन सदस्य डॉ विकास अवस्थी समाज सेवी वरिष्ठ पत्रकार एवं उनकी टीम एवं तमाम सेवादारों व दान दाताओं के सहयोग से पितृ पक्ष मेला गया जी धाम विहार में दो दिवसीय नि : शुल्क रसोई का आयोजन कर सभी आने जाने वाले श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया जहां हजारों की संख्या में लोगों ने भोजन किया और बाबा बैजनाथ सेवा समित की खूब सराहना और



तारीफ की किराए का होटल लेकर सेवादारों ने किया बाबा बैजनाथ नि : शुल्क रसोई का आयोजन

फतेहपुर से अपने पूर्वजों का पिंडदान करने गया जी धाम पहुंचे डॉ विकास अवस्थी ने भक्ति भाव की ऐसी मिशाल पेश की कि चारों तरफ

शिविर में आईएमए सीतापुर के अध्यक्ष डॉ. राजकुमार श्रीवास्तव डॉ. आर.एस. टण्डन डॉ. अशोक कपूर डॉ. सुनील बैच डॉ. गोपाल सिंह डॉ. चित्रा बैच डॉ. अनुदान गोयल डॉ. आफताब अहमद डॉ. प्रवीण गुप्ता डॉ. आर.के. सिंह डॉ. प्रीति जोशी डॉ. रवि प्रकाश गुप्ता, श्री सुनील दीक्षित एवं श्री पारस टण्डन ने सक्रिय सहभागिता करते हुए बाढ़ पीड़ितों की सेवा की। इस दौरान मरीजों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श भी दिया गया। आईएमए अध्यक्ष डॉ. राजकुमार श्रीवास्तव ने कहा कि बाढ़ जैसी आपदा की घड़ी में पीड़ितों

की सहायता करना चिकित्सकों का नैतिक एवं सामाजिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि मानवता की सेवा का यह कार्य जरूरत के अनुसार आगे भी निरंतर जारी रहेगा। शिविर में वरिष्ठ चिकित्सकों डॉ. आर.एस. टण्डन एवं डॉ. अशोक कपूर की उपस्थिति एवं मार्गदर्शन को भी विशेष रूप से सराहा गया। स्थानीय नागरिकों ने आईएमए सीतापुर के इस सेवा कार्य की प्रशंसा करते हुए चिकित्सकों के प्रति आभार व्यक्त किया। आईएमए सीतापुर का संदेश— ःसेवा ही हमारा धर्म है।ः

फतेहपुर पुलिस ने मनाई गांधी व शास्त्री जयंती

- एसपी ने महापुरुषों को अर्पित किए श्रद्धासुमन, पुलिसकर्मियों को दिलाई सत्यनिष्ठा की शपथ

लोक हस्तक्षेप समाचार

फतेहपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के पावन अवसर पर आज जनपद



फतेहपुर में पूरे श्रद्धाभाव के साथ विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस मौके पर फतेहपुर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अभिमन्यु मांगलिक ने रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित क्वार्टर गार्ड में दोनों महान विभूतियों के चित्रों पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि सभा के दौरान पुलिस अधीक्षक ने वहां उपस्थित सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को देश की एकता, अखंडता और कर्तव्यनिष्ठा को बनाए रखने की शपथ दिलाई। एसपी ने पुलिस बल को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अहिंसा की परंपरा में दृढ़ विश्वास रखना चाहिए और समाज में शांति, सामाजिक सद्भाव व मानवीय जीवन मूल्यों को अक्षुण्ण रखने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम के समापन पर पुलिस अधीक्षक ने पुलिस लाइन्स में कार्यरत चुनर्धू श्रेणी कर्मचारियों सहित सभी उपस्थित पुलिसकर्मियों को उपहार और मिष्ठान वितरित किए। इसके साथ ही फतेहपुर जनपद के समस्त थानों, चौकियों और पुलिस कार्यालयों में संबंधित प्रभारियों द्वारा ध्वजारोहण किया गया और महापुरुषों के आदर्शों को याद करते हुए शपथ ग्रहण कार्यक्रम संपन्न कराया गया।

गांधी जयंती के दिन संगोष्ठी का आयोजन किया गया

एजेंसी उत्राव। जिला खादी ग्रामोद्योग विभाग व मेरा युवा भारत (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार) के संयोजन में सफीपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत ऊगू के खादी आश्रम में राष्ट्र पिता महात्मा गांधी जी के जयंती के शुभावसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। सर्व प्रथम अतिथियों व आम जनमानस द्वारा महात्मा गांधी जी चित्रण पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किया। सीजीव कुमार सिंह जिला अधिकारी खादी ग्रामोद्योग ने कहा कि हमें अपने देश में निर्मित वस्तुओं का उपयोग करना चाहिए नयी पीढ़ी हस्त शिल्प से जोड़ना चाहिए। सुशील कुमार बाजपेई एडीओ खादी ग्रामोद्योग ने कहा कि राष्ट्र के निर्माण के लिए सत्य अहिंसा और समरसता के बीज हमारी नयी पीढ़ी में रोपित करना आवश्यक होगा। गाँधी आश्रम में महिलाओं व पुरुषों ने स्थापित चरखा चलाते हुए महात्मा गांधी जी को याद किया कार्यक्रम का संचालन धर्मेन्द्र कुमार मेरा युवा भारत व पूर्व स्वयंसेवक ने किया। इस अवसर पर आकाश त्रिपाठी प्रभारी खादी आश्रम,रवि खादी ग्रामोद्योग, नूर अहमद स्वयंसेवक सफीपुर, आदर्श सिंह स्वयं सेवक एफ चौरासी आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।



वोट हमारा, हिस्सेदारी किसी और की, नहीं चलेगी: पसमांदा मुस्लिम महाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने सपा पर मुस्लिम और पसमांदा समाज की उपेक्षा का आरोप

बाराबंकी एजेंसी। आॅल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसीम राईन ने समाजवादी पार्टी पर मुस्लिम और विशेष रूप से पसमांदा समाज को राजनीतिक प्रतिनिधित्व से दूर रखने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सपा मुस्लिमों के समर्थन की बात करती है, लेकिन सत्ता और संगठन में पर्याप्त हिस्सेदारी देने के सवाल पर पीछे हट जाती है। वसीम राईन ने सपा के हालिया राज्यसभा प्रत्याशियों के चयन को लेकर भी सवाल उठाए। सपा ने उत्तर प्रदेश से प्रो. रामगोपाल यादव और धनराज परिमल नथवानी को प्रत्याशी घोषित किया है। दोनों ने 30 सितंबर को नामांकन दाखिल किया। राईन ने कहा कि मुस्लिम समाज लंबे समय से सपा के साथ खड़ा रहा है, लेकिन राज्यसभा और विधान परिषद जैसे सदनों में मुस्लिम तथा पसमांदा समाज के राजनीतिक प्रतिनिधित्व का सवाल उठता रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन क्षेत्रों में मुस्लिम आबादी उल्लेखनीय है, वहां भी मुस्लिम उम्मीदवारों को पर्याप्त अवसर नहीं दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि «वोट हमारा और हिस्सेदारी किसी और की» को राजनीति अब स्वीकार नहीं की जा सकती।

खादी के वस्त्रों पर 30 जनवरी 2027 तक 25 फीसदी छूट : मुख्यमंत्री

लखनऊ संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर प्रदेशवासियों को उपहार दिया। उन्होंने कहा कि खादी भारत की स्वाधीनता का मंत्र है, प्रदेश सरकार ने खादी के वस्त्रों पर 30 जनवरी 2027 तक 25 फीसदी की छूट उपलब्ध कराई है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि हर व्यक्ति खादी को जीवन का हिस्सा बनाकर कारीगरों, हस्तशिल्पियों व बुनकरों के हुनर को सम्मान दे। सीएम योगी ने एनेक्सी स्थित पूर्व प्रधानमंत्री ‘भारत रत्न’ लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर पुष्पांजलि दी। उन्होंने इस अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को भी याद किया। सीएम योगी ने कहा कि भारत की स्वाधीनता के महानायक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की आज 157वीं तथा सादगी, सज्जनता के लिए प्रसिद्ध भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 122वीं जयंती है। बापू का ‘स्वदेशी से स्वावलंबन’ भारत की आजादी का मंत्र बना था। आजादी का जो आंदोलन पहले बिख्या था, वह बापू के नेतृत्व में जनांदोलन बना। जिसके कारण ब्रिटिश हुकूमत को भारत छोड़कर भागने को मजबूर होना पड़ा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांधी जी का



आत्मनिर्भरता व स्वावलंबन का मंत्र ही विकसित भारत की आधारशिला बनेगा, इसीलिए पीएम मोदी ‘लोकल टू ग्लोबल’ की चर्चा करते हैं। उनका मानना है कि गांवों, कारीगरों, हस्तशिल्पियों, बुनकरों द्वारा बनाए गए उत्पादों को प्रोत्साहित करना और

प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना भारत की स्वाधीनता के महानायकों के प्रति कृतज्ञता भी है। सीएम योगी ने कहा कि लाल बहादुर शास्त्री जी का नाम आते ही हर भारतीय के मन में श्रद्धा का भाव उमड़ पड़ता है। वह अपनी सादगी, सज्जनता के लिए सदैव

सीमाओं पर लड़ रहे जवानों के प्रति हर भारतीय के मन में सम्मान का भाव पैदा हो। शास्त्री जी का ‘जय जवान-जय किसान’ का नारा स्वाधीन भारत का मंत्र बना। सीएम योगी ने कहा कि एक ओर जवान सीमाओं की रक्षा करते हुए दुश्मनों के छक्के छुड़ा रहे थे तो दूसरी ओर अन्नदाता किसान अपने पसीने, परिश्रम से भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध दिखाई दे रहा था। उसी का परिणाम है कि आज भारत ने खाद्यान्न आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त किया है। भारत अब 140 करोड़ देशवासियों का पेट भरने के साथ ही अनेक देशों में खाद्यान्न आपूर्ति का सामर्थ्य रखता है। शास्त्री जी ने 1965 में जो मंत्र दिया था, उसे भारत की आंतरिक/वाह्य सुरक्षा प्रदान करने वाले जवान व देशवासी आज भी आत्मसात करते हैं। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, राज्यसभा सांसद ब्रजलाल, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधान परिषद सदस्य डॉ. महेंद्र सिंह, लालजी प्रसाद निर्मल, विधायक सिद्धार्थनाथ सिंह, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अर्पणा यादव, भाजपा के महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

68500 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों ने केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के घर किया घेराव

लखनऊ संवाददाता। 68500 शिक्षक भर्ती में आरक्षण की गड़बड़ी को लेकर लखनऊ के ईको गार्डन में चल रहा धरना 32वें दिन भी जारी रहा। शुक्रवार को अभ्यार्थियों ने अपना दल (एस) की अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के आवास का घेराव किया। इस दौरान उन्होंने केंद्रीय मंत्री से मुलाकात कर उन्हें अपनी समस्याओं का ज्ञापन सौंपा। छात्रों ने मंत्री जी को आसान शब्दों में समझाया कि इस भर्ती में किस तरह ओबीसी, दिव्यांग, पूर्व सैनिकों और स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों के साथ अन्याय हुआ है और उन्हें आरक्षण की लिस्ट से बाहर रखा गया। छात्रों ने 1994 के आरक्षण कानून का हवाला देते हुए यह भी बताया कि इस समस्या को कैसे सुलझाया जा सकता है। छात्रों की साफ मांग है कि 150 में से 60 नंबर (यानी 40ः) पाने वाले सभी ओबीसी, दिव्यांग, पूर्व सैनिक और स्वतंत्रता सेनानी परिवार के अभ्यर्थियों को पास माना जाए और रिजल्ट सुधारकर जल्द से जल्द नैकीर दी जाए। छात्रों की बात ध्यान से सुनने के बाद अनुप्रिया पटेल ने भरोसा दिया कि वे इस मुद्दे पर सीधे मुख्यमंत्री जी और जिम्मेदार अधिकारियों से बात करेंगी और छात्रों को उनका हक दिलवाने की पूरी कोशिश करेंगी।

पुरानी गलतियां भूलकर साथ आने का समय : अखिलेश यादव

लखनऊ संवाददाता। उत्तर प्रदेश में राज्यसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल के बीच समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने शुक्रवार को गांधी जयंती के मौके पर विपक्षी एकजुटता को लेकर बड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव का समय मिलन का समय होता है और पुरानी गलतियों को भूलकर सिद्धांत के साथ खड़े होने का मौका मिलता है। अखिलेश यादव ने कहा कि यदि किसी को लगता है कि लोकतंत्र, सविधान और देश की अर्थव्यवस्था पर हमला हो रहा है, महंगाई बढ़ रही है या पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने जैसे फैसले गलत हैं तो राज्यसभा चुनाव से पहले साथ आने का समय है। उन्होंने कहा कि जो साथी रास्ता भूल गए हैं और साथ आना चाहते हैं, उनके लिए पुरानी बातें भूलने को तैयार हैं।

आप मेरी गुरु और मां हैं.. आकाश आनंद ने मायावती को खुला पत्र लिखकर मांगी माफी



लखनऊ संवाददाता। यूपी चुनाव 2027 से पहले बहुजन समाज पार्टी (बसपा) से पूरी तरह मुक्त किए जाने के करीब एक महीने बाद आकाश आनंद ने पार्टी मुखिया मायावती को पत्र लिखकर एक बार फिर माफी मांगी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मायावती को अपना राजनीतिक गुरु, प्रेरणा और बुआ मां बताते हुए कहा कि वह किसी दूसरे राजनीतिक दल में नहीं जा रहे हैं। आकाश ने कहा कि बसपा उनके लिए सिर्फ एक पार्टी नहीं बल्कि परिवार है और वह मायावती के नेतृत्व में फिर से पार्टी और मिशन की सेवा करना

चाहते हैं। 2 अक्टूबर 2026 को एक्स पर जारी अपने बयान में आकाश आनंद ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से उनके बारे में मीडिया और सोशल मीडिया पर कई तरह की खबरें और अफवाहें चल रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह किसी दूसरे राजनीतिक दल में नहीं जा रहे हैं। आकाश ने कहा कि बीएसपी मेरे लिए सिर्फ एक पार्टी नहीं, मेरा परिवार है। उन्होंने अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निकालने और उनके राजनीति से संन्यास के मायावती के फैसले को उचित बताया और कहा कि वह इस फैसले के साथ खड़े हैं। आकाश आनंद ने

मायावती को संबोधित करते हुए कहा कि राजनीति में उन्होंने जो कुछ सीखा है, वह उन्हीं से सीखा है और जो कुछ किया, उनके मार्गदर्शन में किया। उन्होंने कहा कि रिश्ते अपनी जगह हैं, लेकिन मिशन उनसे बड़ा है। आकाश के मुताबिक व्यक्तिगत और पारिवारिक हितों से ऊपर पार्टी और आंदोलन के हित को रखना उनकी जिम्मेदारी है। आकाश आनंद ने कहा कि जिस समय मायावती ने सोशल मीडिया पर अपनी बात रखी थी, उस दौरान उन्होंने खुद को सोशल मीडिया से दूर कर लिया था। इसलिए वह मायावती की पोस्ट को रिपोस्ट नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि उनकी इस चुप्पी को गलत समझा गया और इससे अफवाहों को जगह मिली। आकाश ने कहा कि अगर उनकी चुप्पी से मायावती को ठेस पहुंची है तो वह इसके लिए उनसे क्षमा मांगते हैं। आकाश आनंद ने कहा कि वह मायावती के नेतृत्व में दोबारा पार्टी और मिशन की सेवा करने का अवसर चाहते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वास केवल शब्दों से नहीं बल्कि काम से बनता है और वह अपने आचरण व मेहनत से इसे साबित करेंगे। उन्होंने अपने बयान का समापन बाबा साहेब के मिशन, मान्यवर साहेब के रास्ते और मायावती के नेतृत्व को अपनी राजनीति बताते हुए रजय भीम, जय बसपाश् के साथ किया।

मायावती ने साधा सपा पर निशाना

लखनऊ संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर परिवारवाद और धनबल की राजनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सपा खुद को समाजवादी और पीडीए की पार्टी बताती है, लेकिन उसके फैसलों में उन्हें इसका उल्टा दिखाई देता है। मायावती ने यूपी से राज्यसभा के लिए सपा के उम्मीदवार बनाए गए प्रो. रामगोपाल यादव और धनराज परिमल नाथवानी के चयन को लेकर भी सवाल उठाए हैं। दोनों ने 30 सितंबर को नामांकन दाखिल किया था। मायावती ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि बसपा छोटे-बड़े चुनावों में परिवार, रिश्तेदारों या बड़े पूंजीपतियों को टिकट नहीं देती। उनके मुताबिक पार्टी सर्वसमाज के गरीब, मध्यम वर्ग और कमजोर तबकों से जुड़े कर्मठ अंबेडकरवादी कार्यकर्ताओं को उम्मीदवार बनाती है। उन्होंने दावा किया कि बसपा की राजनीति परिवारवाद और धनबल से मुक्त है, जबकि सपा पर उन्होंने इसके विपरीत काम करने का आरोप लगाया। मायावती ने सपा के खुद को समाजवादी और ‘पीडीए’ की पार्टी बताए जाने पर भी सवाल उठया। मायावती ने कहा कि सपा ने यूपी से राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव के लिए प्रो. रामगोपाल यादव को दोबारा उम्मीदवार बनाया है। उन्होंने रामगोपाल यादव को सपा प्रमुख के करीबी रिश्तेदार के रूप में संदर्भित किया। वहीं, दूसरे उम्मीदवार धनराज परिमल नाथवानी के चयन को लेकर मायावती ने उनके कॉरपोरेट फूटभूमि का उल्लेख किया। नाथवानी रिलायंस इंडस्ट्रीज से जुड़े वरिष्ठ कॉरपोरेट अधिकारी और खेल प्रशासक हैं। मायावती ने सपा के संभावित तीसरे उम्मीदवार को लेकर भी टिप्पणी



की और दावा किया कि वह चुनाव हारने की स्थिति में ‘फेस सेविंग’ के लिए हो सकता है। हालांकि, यह मायावती की राजनीतिक टिप्पणी है। बसपा प्रमुख ने कहा कि सपा को चुनाव में ‘पीडीए’ का वोट चाहिए, लेकिन उनके अनुसार सांसद और विधायक बनाने में परिवार और बड़े पूंजीपतियों को प्राथमिकता दी जाती है। उन्होंने लोगों से सपा के ‘पीडीए’ के दावे को लेकर सतर्क रहने की अपील की। मायावती ने आरोप लगाया कि सपा की राजनीति में यह दोहरा रवैया लंबे समय से दिखाई देता रहा है। उन्होंने खास तौर पर यूपी विधानसभा चुनाव से पहले अप्रकाश्ट समाज के गरीबों तथा दलित, आदिवासी, अति-पिछड़े, मुस्लिम और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यक वर्गों के लोगों से सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि इन वर्गों के हितों की सुरक्षा अंबेडकरवादी बसपा में है और बाकी को उन्होंने ‘छलावा’ बताया।

चुनाव आयोग की प्रतीकात्मक अस्थिकलश यात्रा निकाल सपा का प्रदर्शन

लखनऊ संवाददाता।राजधानी में सपा कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग की प्रतीकात्मक अस्थिकलश यात्रा निकाली। वोट चोरी को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अस्थिकलश लेकर प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोका तो धक्का-मुक्की और झड़प हुई। पुलिस ने हिरासत में लेने की कोशिश की तो दर्जनों महिला और पुलिस कार्यकर्ता जमीन पर लेट गए। पुलिसवाले उनको टांगकर और घसीसते हुए वैन तक ले गईं। एक पुलिसवाले ने कार्यकर्ता को अपने दोनों हाथों से उठा लिया और ले जाकर वैन के पास पटक दिया। इसके बाद उनको ईको गार्डन लेकर गईं। समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता सोमवार सुबह करीब 12 बजे जनपथ मार्केट के पास जुटे और प्रदर्शन करने के लिए विधानसभा की ओर जाने लगे। लेकिन हजरतगंज में पुलिस ने उनको रोक लिया। उधर, प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर अभद्रता करने और कपड़े फाड़ने का आरोप लगाया। मौके पर पुलिस ने



प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश की। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक हंगामा चलता रहा। प्रदर्शन में आए अभिषेक यादव ने कहा कि ज्ञानेश कुमार ने लोकतंत्र की हत्या की है। जब तक उनका इस्तीफा नहीं होगा, तब तक हम लोग सड़क पर रहेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि 35 करोड़ से ज्यादा वोट चोरी कर अलग-अलग राज्यों और केंद्र में भाजपा की सरकार बनवाने में मदद की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और उनके इशारे पर पूरा चुनाव आयोग भाजपा के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि

लोकतंत्र को बचाने के लिए वे सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करेंगे। हाथ में अस्थि कलश लेकर पहुंचे छोटू ने कहा कि वे चुनाव आयोग का अस्थि विसर्जन करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ‘चुनाव आयोग मर चुका है और इस कलश में उसकी राख है।’ उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भाजपा का पक्ष ले रहा है और लगातार बेईमानी कराई जा रही है। छोटू ने आरोप लगाया कि बिहार और पश्चिम बंगाल के बाद अब उत्तर प्रदेश को भी प्रभावित करने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि जब तक ज्ञानेश कुमार को मुख्य चुनाव आयुक्त के पद से नहीं हटाया जाता, तब तक यूपी में चुनाव नहीं होने देंगे। उनके मुताबिक, चुनाव आयोग की कार्यण्णाली से लोकतंत्र कमजोर हुआ है। प्रदर्शन में शामिल रिकी सिंह ने कहा कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव लंबे समय से वोट चोरी का मुद्दा उठा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि कई बार इसके सबूत भी दिए गए, लेकिन चुनाव आयोग ने कोई कार्रवाई नहीं की।

नौकरी से निकाले जाने के विरोध में एंबुलेंस ड्राइवरों ने प्रदर्शन किया

लखनऊ संवाददाता। राजधानी में शुक्रवार को डायल-108 और डायल-102 एंबुलेंस के ड्राइवरों ने नौकरी से निकाले जाने के विरोध में हजरतगंज में प्रदर्शन किया। गांधी प्रतिमा पर पहुंचे कुछ ड्राइवर रने लगे। उन्होंने कहा कोरोना में फ्रंटलाइन वॉरियर बनकर सेवा की, बाद में 9 हजार कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। 5 साल से रोजगार के लिए भटक रहे हैं, हम बुलडोजर से डरने वाले नहीं हैं। ड्राइवरों ने हाथों में तख्ताखुले लेखर ‘कोरोनाकाल में हमें हीरो कहा, अब हम जीरो हो गए’ और ‘डिटी सीएम इस्तीफा दे’ के नारे लगाए।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि रोजगार के लिए लखनऊ और कन्नौज के चक्कर काटते-काटते थक चुके हैं। कई बार लखनऊ आकर भूखे रहना पड़ता है। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि हजरतगंज पहुंचने से पहले चारबाग रेलवे स्टेशन पर उनके 40 से 50 साथियों को हिरासत में ले लिया गया। इसके



बाद हजरतगंज पहुंचे कर्मचारियों ने गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पुलिस ने उन्हें भी हिरासत में ले लिया। ड्राइवरों का कहना है कि कोरोना महामारी के दौरान उन्होंने दिन-रात एंबुलेंस सेवाएं दीं। इसके बावजूद

2021 में जीवीके-ईएमआरआई कंपनी ने करीब 9 हजार कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। तब से वे रोजगार के लिए भटक रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से मामले में हस्तक्षेप कर नौकरी वापस दिलाने की मांग की। नीतीश ने कहा, कोरोना में जान

की बाजी लगाकर काम किया। हमारे एक दर्जन से ज्यादा साथी कर्मचारियों की जान चली गई, लेकिन उन्हें कोई सम्मान नहीं मिला। उनके परिवारों को मुआवजा भी नहीं मिला। हमारी रोजी-रोटी ख़िन गई है। भूखमरी के कमार पर हैं। बच्चे तड़प रहे हैं, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है।’ उन्होंने कोरोना काल में मिले सम्मान पत्र को दिखाते हुए कहा, जब नौकरी ही नहीं है, तो इस प्रमाण पत्र का क्या करें? इसके ऊपर आलू रखकर खाएं? प्रदर्शनकारियों ने कंपनी पर कर्मचारियों को नौकरी से निकालने और शारीरिक व मानसिक शोषण करने के आरोप लगाए। उन्होंने दोबारा नौकरी देने की मांग की। प्रदर्शन करने आए अजय अपनी बात बताते हुए रने लगे। उन्होंने कहा कि 2021 में नौकरी से निकाल दिया गया। इसके बाद से न्याय के लिए दर-दर भटक रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक के आवास के कई बार चक्कर लगा चुके हैं, लेकिन सुनवाई नहीं

हुई। अजय ने कहा, हमारे साथ अन्याय हो रहा है। भ्रष्टाचार की शिकायत करते हैं, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। हम कहां जाएं? परिवार इस समय सबसे खराब दौर से गुजर रहा है। अगर पिताजी की पेंशन नहीं आती तो परिवार भूखमरी के कगार पर पहुंच जाता। बच्चे सड़क पर आ जाते। 5 साल से अपने बच्चों को एक टॉफी तक नहीं दिला पाए हैं। इस उग्र में पिताजी पर निर्भर रहना बहुत बुरा लगता है, लेकिन कोई दूसरा रास्ता नहीं है। अजय ने कहा कि नौकरी जाने के बाद दूसरी नौकरी करना भी मुश्किल है। इस उग्र में नौकरी खोने का दर्द शब्दों में नहीं बता सकता। अपने अधिकारों के लिए भूख हड़ताल करेंगे। जरूस्त पड़ी तो जान दे देंगे, लेकिन पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा रोजगार हमारा छीना है, हम उनसे टकराएंगे, भ्रम में मत रहे कि तुम्हारे बुलडोजर से डर जाएंगे, हमारे घरों का चूल्हा बुझाने वाले याद रखें, एक दिन मिट्टी में मिल जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

गांधी-शास्त्री जयंती पर महापुरुषों को नमन कर

उनके आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

लखनऊ संवाददाता। गौमतीनगर जनकल्याण महासमिति से संबद्ध विराम खंड-5 जनकल्याण समिति की ओर से गुरुवार को पार्क में महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में समिति पदाधिकारियों ने दोनों महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। महासमिति के कार्यकारी महासचिव कर्नल एएन पांडे, सचिव संजय निगम, समिति अध्यक्ष प्रो. भरत राज सिंह और सचिव नित्यानंद पांडे ने पुष्प अर्पित किए। उन्होंने गांधी और शास्त्री के बताए सत्य, अहिंसा, सादगी और कर्तव्यनिष्ठा के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। समारोह में सांस्कृतिक सचिव अरुण त्रिवेदी, सदस्य अतुल पंत, विवेक सिंह अधिकारी, आनंद प्रकाश, विमल चंद्र श्रीवास्तव और पूर्व आईएसएस उमेश तिवारी ने भी दोनों महापुरुषों को श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने उनके जीवन, संघर्ष और देश के प्रति योगदान को याद किया।

शिक्षा भवन में गांधी जयंती पर उनके

आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

लखनऊ संवाददाता। जगत नारायण रोड स्थित शिक्षा भवन में 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। संयुक्त शिक्षा निदेशक माध्यमिक डॉ. प्रदीप कुमार के नेतृत्व में शिक्षा भवन के अधिकारियों और कर्मचारियों ने महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया। सभी ने एक स्वर में रामधनु का वाचन किया। डॉ. प्रदीप कुमार सहित शिक्षाधिकारियों ने दोनों महापुरुषों के जीवन और आदर्शों पर प्रकाश डाला। उन्होंने अधिकारियों-कर्मचारियों से आपसी सद्भाव और एकता के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी। डॉ. दिनेश कुमार ने कहा कि गांधीजी के जीवन मूल्य हमें सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, शाहमीना रोड की छात्राओं ने वाद्य यंत्रों के साथ रामधनु प्रस्तुत की। कार्यक्रम में जिला विद्यालय निरीक्षक देवेन्द्र पाण्डेय, सह जिला विद्यालय निरीक्षक विनोद कन्नौजिया, सह निरीक्षक राम सुजान मिश्र, उपनिरीक्षक दिनेश चंद्र समेत शिक्षा भवन के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

कालीचरण पीजी कॉलेज में गांधी जयंती मनाई गयी



लखनऊ संवाददाता। कालीचरण पीजी कॉलेज में शुक्रवार को गांधी जयंती समारोह मनाया गया। इस दौरान महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन व आदर्शों पर चर्चा हुई। कार्यक्रम की शुरुआत दोनों महापुरुषों को पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। कॉलेज प्रबंधक इंजीनियर वीके मिश्रा मुख्य अतिथि थे। उन्होंने गांधीजी के लखनऊ से जुड़े संघर्षों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर रमहात्मा गांधी की पर्यावरण दृष्टिष् विषय पर भाषण प्रतियोगिता भी हुई, जिसमें विजयी प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। प्रबंधक वीके मिश्रा ने प्राचार्य और प्राध्यापकों के साथ पौधारोपण भी किया। प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों को गांधीजी के जीवन से प्रेरणा लेने और सादगीपूर्ण जीवन अपनाने का आह्वान किया। प्राचार्य प्रो. चंद्रमोहन उपाध्याय ने गांधीजी के आश्रमों और तपस्वी जीवन पर चर्चा की।

गांधी-शास्त्री जयंती पर छात्राओं ने रैली निकालकर

स्वच्छता और नशामुक्ति का संदेश दिया

लखनऊ संवाददाता। राजधानी के नवगुप्त कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर में शुक्रवार को गांधी-शास्त्री जयंती पर ‘सेवा मेरा योगदान’ कार्यक्रम का आयोजन किया। ‘सेवा संकल्प अभियान’, राष्ट्रीय सेवा योजना और 19वीं यूपी गर्ल्स बटालियन एनसीसी के सहयोग में किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने स्वच्छता श्रमदान और जागरूकता रैली के माध्यम से स्वच्छता व नशामुक्ति का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि से हुई। छात्राओं ने ‘रघुपति राघव राजा राम’ और ‘वैष्णव जन तो तेने कहिये’ भजनों का गायन किया। एनसीसी कैडेट निकािता सिंह और एनएसएस स्वयंसेविका अनुशी त्रिपाठी ने दोनों महापुरुषों के जीवन दर्शन और राष्ट्र निर्माण में योगदान पर विचार रखे।

मुख्यमंत्री ने गांधी जयंती पर खादी आश्रम से की खरीदारी

लखनऊ संवाददाता।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर हजरतगंज स्थित गांधी आश्रम पहुंचे। उन्होंने यहां आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने के साथ ही खादी उत्पाद खरीदा। मुख्यमंत्री ने भगवा रंग का गमछा खरीदा और इसका भूगोलान किया। सीएम ने गांधी आश्रम में विभिन्न खादी उत्पादों को देखा और उनके बारे में जानकारी भी ली। उन्होंने वहां आए लोगों को खादी खरीदने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री ने खादी आश्रम में कार्यरत सभी लोगों का कुशलक्षेम जाना और वहां मौजूद बच्चों को चॉकलेट दी। बच्चों से उनकी पढ़ाई आदि के बारे में भी पूछा। बच्चों ने पैर छूकर मुख्यमंत्री का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, राज्यसभा सांसद ब्रजलाल, विधान परिषद सदस्य डॉ. महेंद्र सिंह, पवन सिंह चौहान, उप राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अर्पणा यादव, भाजपा के महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय पुस्तक मेले में शैलेन्द्र जसराज की दो पुस्तकों का लोकार्पण

लखनऊ संवाददाता। राष्ट्रीय पुस्तक मेला-2026 के तहत बलरामपुर गार्डन के मुख्य मंच पर शुक्रवार को साहित्यकार शैलेन्द्र जसराज की दो पुस्तकों ‘कोई गीत सुबह के गाता है’ और ‘कहानी फिर कभी’ का लोकार्पण हुआ। दोनों पुस्तकों का लोकार्पण लखनऊ विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. मुरली मनोहर वर्मा और केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान के सेवानिवृत्त संयुक्त निदेशक डॉ. विजय नारायण तिवारी ने किया। इस अवसर पर शैलेन्द्र जसराज ने कहा कि जीवन के सुख-दुःख की सहज अनुभूति और संवेदनशील अभिव्यक्ति ही लेखन का मूल आधार है। उन्होंने मुंशी प्रेमचंद को अपना प्रमुख प्रेरणास्रोत बताया। कार्यक्रम में कथकार डॉ. रजनी गुप्त, पूर्व आरपीएस अधिकारी डॉ. जी. एन. खन्ना, वरिष्ठ रेडियोलॉजिस्ट डॉ. विमल श्रीवास्तव सहित साहित्य, शिक्षा और चिकित्सा जगत की हस्तियां मौजूद रहीं। ‘कोई गीत सुबह के गाता है’ काव्य संग्रह है, जबकि ‘कहानी फिर कभी’ में मानवीय जीवन के विभिन्न पक्षों को कहानियों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।



हवाई हादसे पर गंभीर सवाल

दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की एक उड़ान में हुए हादसे और सऊदी अरब में उसकी आपातकालीन लैंडिंग ने पूरी दुनिया में नयी चिंताओं को जन्म दे दिया है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बिना देर किए 9६11 का जिक्र कर दिया। तो वहीं नेतन्याहू से बात करने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने भी आतंकवादी घटना की तरफ़इशारा किया और चूँकि इस पूरे हादसे में जिसकी जान जोखिम में पड़ी और जिसने विमान में सवार 174 लोगों की जान बचाई, वह भारतीय पायलट था, लिहाजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भारत के गौरव वाला नजरिया जाहिर कर दिया और शायद नेतन्याहू से गहरी दोस्ती का तकाजा है तो उन्होंने भी 9६1 1 की बात का समर्थन कर दिया। इसमें कोई दो राय नहीं कि फ्लाईदुबई के कप्तान स्मि्त मच्छर ने अपनी सुझबूझ से एक बड़े हादसे को रोक दिया। लेकिन जिस तरह से बेंजामिन नेतन्याहू, डोनाल्ड ट्रंप और उनके पीछे नरेंद्र मोदी के बयान आए हैं, उसके बाद इस पूरे मामले पर सोशल मीडिया में हिंदू-मुसलमान और आतंकवाद वाले नजरिए से पोस्ट की जा रही हैं, उससे समुचे प्रकरण में कई झोल दिखाई दे रहे हैं और कई गंभीर सवाल भी खड़े हो रहे हैं। पाउको की बात दें कि बुधवार 30 सितंबर दुबई से तेल अवीव जाने वाली फ्लाईदुबई की फ्लाइट उड़ान भरने के करीब दो घंटे बाद अपना रास्ता बदलकर सऊदी अरब मुड़ गई और वहीं लैंडिंग की। जानकारों मिली कि कॉकपिट में एक पायलट ने दूसरे पर हमला कर दिया। हमला करने वाला पायलट ओमान का मूल वासी है, और मुसलमान है, जबकि जिस पायलट पर हमला हुआ, वो भारतीय हैं और उनका नाम स्मि्त मच्छर है। स्मि्त मच्छर पर चाकू से हमला हुआ तो उन्होंने पहले 7700 का नॉर्मल इमरजेसी कोड भेजा और उसके बाद 7500 कोड भेजा, जो अनाधिकृत दखलंदाजी का संकेत है, यानी इसमें अपहरण जैसी आशंका दिखाई देती है। इसके बाद इजरायली लड़ाकू विमानों को अलर्ट कर दिया गया। वहीं विमान कुछ क्षणों में ही कई फीट एकदम से नीचे आ गया। बताया जा रहा है कि स्मि्त मच्छर ने भीतर से कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया, और चोंखे की आवाज और खून बहता देख विमान के करू सदस्य और कुछ यात्री भीतर कॉकपिट के भीतर चुपे। उनमें से एक ने हमलावर पायलट को पीछे से पकड़कर अपने काबू में किया, एक डैटैल्ट ने केप्टन स्मि्त के बहते हुए खून को रोकने की कोशिश की, फिर फ्लाईदुबई के दो अन्य पायलट जो उसी विमान में सवार थे, उन्होंने विमान की सऊदी अरब में आपातकालीन लैंडिंग करवाई। केप्टन स्मि्त मच्छर को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है और इस बीच प्रधानमंत्री मोदी से लेकर सऊदी अरब में भारतीय दूतावास ने घायल पायलट के परिजनों से बात कर रही है। अब इस घटना से जुड़ी कई आशंकाएं प्रकट की जा रही हैं, कई वीडियो भी सामने आए हैं, जिनके बाद घटना के कारण, हालात और टाइमिंग पर सवाल खड़े होते हैं। सबसे पहला सवाल तो यही है कि आखिर कॉकपिट के भीतर चाकू के साथ को-पायलट किस तरह पहुंचा। उसके हमले का मकसद क्या था। क्या दोनों पायलट्स के बीच कोई विवाद या बहस हुई, जिसका ऐसा अंजाम हुआ। अगर यह गूस्से में किया गया हमला है, तब भी यात्री सुरक्षा के लिहाज से काफ़ी चिंताजनक है, क्योंकि पायलट्स को हर हाल में शांत रहना जरूरी है। हमलावर की मदद के लिए क्या कोई और भी उसी विमान में मौजूद था। बताया जा रहा है कि हमला करने वाला पायलट ओमान का रहने वाला था। इजरायली चौनल 16 के विदेशी मामलों के संपादक ने फ्लाईदुबई के कुछ कर्मियों से बात की, जिन्होंने अपना नाम न बताने की शर्त पर सतिथ्य पायलट के बारे में कहा कि उसका व्यवहार बहुत अजीब था, खासकर धार्मिक रीति-रिवाजों को लेकर। जैसे, वह बहुत ज्यादा प्रार्थना करता था और महिलाओं से हाथ नहीं मिलता था। यहां साफ़तौर पर सतिथ्य पायलट को कट्टर धार्मिक व्यक्ति के तौर पर पेश किया जा रहा है। अब सवाल यह है कि क्या फ्लाईदुबई को यह बात पहले नहीं पता थी। सवाल यह भी है कि इस पायलट को दुबई-इजरायल मार्ग पर उड़ान भरने की मंजूरी कैसे मिली, क्योंकि राजनीतिक मतभेदों के कारण इजरायल और ओमान के बीच राजनयिक संबंध नहीं हैं। घटना के दौरान के वो वीडियो सामने आए हैं, उसमें एक में यह दिखाया जा रहा है कि कुछ यात्री बचाने के लिए कॉकपिट की तरफबढ़ रहे हैं। जब विमान रुक रहे या बिना बाधा के उड़ता रहे, तब तो यात्री विमान में इधर से उधर चल सकते हैं, लेकिन अगर विमान तेजी से नीचे आ रहा था, तो किस तरह यात्री आराम से कॉकपिट की तरफबढ़ रहे हैं, यह सोचने वाली बात है। या तो वीडियो झूठ है या फिर बचाने की कहानियों में झोल है। एक वीडियो इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का है, जिसमें हमलावर को पकड़कर विमान को संभालने वाले एक व्यक्ति से वे मिल रहे हैं। उसके कपड़े पर खून के धब्बे हैं और वह उसी हाल में प्रधानमंत्री से गले मिल रहा है। ऐसा तो नहीं है कि विमान के उतरते ही नेतन्याहू ने रन वे पर ही उस व्यक्ति से मुलाकात की। वह बाकायदा सऊदी अरब से इजरायल पहुंचा, लेकिन उसके कपड़े खून में ही सने रहे। नेतन्याहू ने उसे हीरो कहा और उसने कहा कि हम शेरों का देश हैं। क्या यह सब नेतन्याहू के प्रचार तंत्र ने आगामी चुनाव में सहानुभूति बटोरने के लिए किया है, यह विचारणीय है। नेतन्याहू से मिमिकर इस व्यक्ति ने यह भी बताया कि वह प्लंबर यानी नल साज है, उसने टीवी कार्यक्रम एयर डिजास्टर्स देखकर विमान उड़ने से जुड़े कुछ बुनियादी सिद्धांत सीखे थे। यह बात नेतन्याहू ने ट्रंप की भी बताई और ट्रंप ने पत्रकारों से इस इजरायली यात्री की असाधारण वीरता के बारे में कहा, शिक वह एयर डिजास्टर्स कार्यक्रम बहुत देखता है और उसे देखकर उसने कुछ हद तक विमान उड़ाना सीख लिया। ट्रंप के मुताबिक, जब इस यात्री ने विमान संभाल लिया तो विमान के पिछले हिस्से में मौजूद अतिरिक्त पायलट और सुरक्षा कर्मी बाद में कॉकपिट तक पहुंचे और विमान का नियंत्रण अपने हाथों में लिया। ट्रंप ने कहा, श्मुझे लगता है कि यह सबसे अविश्वसनीय कहानी है। हालांकि, ट्रंप ने यह भी स्पष्ट किया कि वह केवल उन्हें मिली जानकारी बता रहे थे और उन्होंने इन तथ्यों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की है। कितनी अजीब बात है कि एक गंभीर विमान हादसा टला और इसकी विस्तृत जांच पर ध्यान देने की जगह बेंजामिन नेतन्याहू डोनाल्ड ट्रंप को कहानियां सुना रहे हैं और ट्रंप समझ नहीं पा रहे कि उन पर भरोसा किया जाए या नहीं। दुनिया के सबसे ताकतवर नेता होने का दावा करने वाले ट्रंप उन बातों की चर्चा पत्रकारों से कर रहे हैं, जिनको पुष्टि वो खुद नहीं कर सकते। यह सब बहुत अजीब है, लेकिन सबसे ज्यादा डर सामान्य यात्रियों की सुरक्षा के लिए है। ध्यान रहे कि अब तक मलेशियाई विमान 370 के साथ हुए हादसों का अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान हादसे पर स्पष्ट जानकारीयां सामने नहीं आई हैं।

सम्पादकीय

विश्व बदल रहा है, भारत को अपने आर्थिक विकल्प बढ़ाने होंगे

ऊर्जा बाजारों में उतार-चढ़ाव आ सकता है। वस्तुतः ऐसे प्रत्येक परिवर्तन के बीच भारत की सफलता इस बात से तय होगी कि उसकी अर्थव्यवस्था कितनी तेजी से परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढालने में सक्षम है, इसलिए आज विकास भारत की उपलब्धि है। प्रतिस्पर्धा उसकी अगली परीक्षा है। विविधीकरण उसकी सुरक्षा है और अपने विकल्पों का विस्तार उसकी वास्तविक आर्थिक स्वतंत्रता होगी अतः यहां कहना यही है कि बदलती विश्व व्यवस्था में भारत के लिए यही वह सोच है, जो उसे परिस्थितियों पर प्रतिक्रिया देने वाली शक्ति से आगे ले जाकर परिस्थितियों को प्रभावित करने वाली आर्थिक शक्ति बना सकती है। वैसे उ्मीद है कि केंद्र की मोदी सरकार इस दिशा में प्रयास कर ही रही होगी। फिर भी देश में जो लघु और मध्यम उद्योगों के सामने बाजार प्राप्त करने की जो चुनौतियां पैदा हो रही हैं, उनका निराकरण बेहद जरूरी है। चीन की तरह जितना अधिक बाजार हमारे हाथों में होगा, हम विश्व बाजार के उतने बड़े खिलाड़ी होंगे।

डॉ. मन्यक चतुर्वेदी

किसी बड़ी अर्थव्यवस्था की ब्याज दरें वैश्विक पूंजी का रुख बदलने लगे और शक्तिशाली देश की व्यापार नीति विश्व के कई देशों को प्रभावित करने लगे, तब अत्यंत परिदृश्य की ओर संकेत कर रहे हैं, जिसे अपनी अर्थव्यवस्था को सुचारु रूप से चलाना भी है और अपनी इकोनॉमी को मजबूत बनाए भी रखना है। भारत भी इन दिनों कुछ इसी तरह की परिस्थितियों से गुजर रहा है। देश के सामने यही सबसे बड़ा आर्थिक चिंता का कारण यही है कि उसकी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था को अब अपनी गति के साथ अपनी सुरक्षा, प्रतिस्पर्धा और रणनीतिक स्वायत्तता के साथ निरंतर मजबूत बनाकर रखा जाए। वित्त मंत्रालय की आर्थिक समीक्षा ने इसी बदलते परिदृश्य की ओर संकेत करते हुए कहा है कि कोविड के बाद मिली विकास उपलब्धियों को सहज मानकर आगे बढ़ने का समय समाप्त हो चुका है। भू-राजनीतिक ध्रुवीकरण, वैश्विक ब्याज दरें, पूंजी प्रवाह, आपूर्ति व्यवधान और मुद्रास्फीति जैसे कारक लगातार आर्थिक निर्णयों की परीक्षा ले रहे हैं। ऐसे में भारत की आर्थिक को संस्थागत क्षमता पर फेड़ित होना चाहिए, जिसमें कि ऊर्जा सुरक्षा इस चुनौती का सबसे संवेदनशील पथ है। उल्लेखित है कि भारत की ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा होता है। समुद्री मार्ग में व्यवधान अथवा



बताती है, उसकी संपूर्ण शक्ति का परिचय नहीं देती। स्थायी आर्थिक शक्ति के लिए बेहतर शासन, तेज निर्णय प्रक्रिया, नवाचार, उत्पादकता, विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा और वैश्विक बाजारों में भारतीय कंपनियों की मजबूत उपस्थिति जरूरी है। आर्थिक समीक्षा ने भी राज्य की बड़ी हुई क्षमता और बेहतर शासन को प्रतिस्पर्धा अर्थव्यवस्था की प्रमुख शर्त माना है। इसका अर्थ यह हुआ कि भारत की आर्थिक को संस्थागत क्षमता पर फेड़ित होना चाहिए, जिसमें कि ऊर्जा सुरक्षा इस चुनौती का सबसे संवेदनशील पथ है। उल्लेखित है कि भारत की ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा होता है। समुद्री मार्ग में व्यवधान अथवा

कच्चे तेल की कीमतों में तेज वृद्धि का असर परिवहन, उद्योग, बिजली, उपभोगा बाजार और मुद्रास्फीति तक पहुंचता है। ऐसे समय में किसी एक स्रोत पर अत्यधिक निर्भरता आर्थिक जोखिम को बढ़ा सकती है, इसलिए ऊर्जा आपूर्ति का बहुस्रोतीकरण और वैकल्पिक आपूर्ति मार्ग आर्थिक नीति के स्थायी हिस्से बनने चाहिए। इसी सोच का विस्तार निर्यात बाजारों तक होता है। कहना होगा कि भारत के लिए अमेरिका अत्यंत महत्वपूर्ण बाजार है। वह भारतीय दवाइयों, वस्त्रों, रत्न एवं आभूषणों तथा विभिन्न विनिर्मित वस्तुओं की मांग भारतीय उद्योगों और रोजगार से सीधे जुड़ी हुई है। उसका असर उत्पादन केंद्रों, छोटे उद्योगों, श्रमिकों और

फार्मास्यूटिकल्स, कृषि-रसायन और सूचना प्रौद्योगिकी के लिए नए अवसर प्रस्तुत करता है। वस्तुतः इस विविधता का उद्देय किसी एक बाजार से दूरी बनाने के स्थान पर भारतीय व्यापार को कई बाजारों में फैलाना है, ताकि किसी एक क्षेत्र में आया इतका पूरे निर्यात ढांचे को प्रभावित करने की स्थिति तक पहुंच सके। भारत के लिए विश्व भी इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण आर्थिक मंच है। ब्रिक्स देशों के बीच दाल व्यापार दो दशकों में 13 गुना बढ़कर 1.17 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है। अब आवश्यकता ऐसे सहयोग की है, जो घोषणाओं से आगे बढ़कर सीमा शुल्क सुधार, व्यापार वित्त, लॉजिस्टिक्स, डिजिटल दस्तावेजीकरण और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में छोटे उद्यमों की भागीदारी तक पहुंचे।यहां भारत के एमएसएमई क्षेत्र की भूमिका निर्णायक भी हो सकती है। जिसमें कि भारत वैश्विक बाजार की दृष्टि से अमी भी पिछड़ा हुआ है। इस मामले में हमें चीन से सीखना चाहिए, जो अपने उद्योगपतियों को विदेशों में सफल होने, उनके माल को विश्व के 192 देशों तक पहुंच बनाने के लिए अलग से अनेक प्रयास करता है। हालांकि भारत भी इस दिशा में जो बढ रहा है, किंतु उसकी पैसी आक्रामक शैली नहीं, जैसी चीन अपनाए हुए है, इसलिए भारत की वैश्विक आर्थिक क्षमता का वास्तविक विस्तार तब होगा, जब छोटे और मध्यम उद्यम अंतरराष्ट्रीय

आपूर्ति श्रृंखलाओं के स्थायी भागीदार बनेंगे। वित्त, तकनीक, बाजार और प्रमाणन से जुड़ी बाधाओं को घटकर उन्हें वैश्विक उत्पादन नेटवर्क से जोड़ना जरूरी है। इससे रोजगार, निर्यात और स्थानीय उत्पादन क्षमता तीनों को मजबूती मिल सकती है। इसके साथ तकनीक भी आर्थिक प्रतिस्पर्धा का केंद्रीय आधार बन रही है। भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, डिजिटल मुगलान, सूचना प्रौद्योगिकी और स्टार्टअप क्षमता को वैश्विक साझेदारियों से अधिक से अधिक जोड़ा जाना चाहिए। कुछ प्रयास पिछले दिनों शुरू भी हुए हैं, किंतु वास्तविकता में वह संतोषजनक नहीं कहे जा सकते हैं। आज भारत के सामने अमेरिका, यूरोपीय संघ, आसियान, खाड़ी, जी20, काउड और ब्रिक्स जैसे अनेक मंच हैं। इन सभी के साथ संबंधों को परस्पर विरोधी खांचों में देखने के बजाय भारतीय हितों के अनुरूप पूरक आर्थिक अवसरों के रूप में विकसित किया जा सकता है। यहां भी प्रयासों के स्तर पर हर संभव तेजी लाने की आवश्यकता है। भारत के लिए अगला दशक इसी कसौटी पर महत्वपूर्ण होगा। से सकता है, वैश्विक अर्थव्यवस्था में अस्थिरता बनी रह सकती है। व्यापार नीतियां बदल सकती हैं। पूंजी का प्रवाह दिशा भी कहे, बदलता हुआ दिखे।

पितृ पक्ष 16 दिनों का क्यों होता है? जानिए श्राद्ध पक्ष की धार्मिक मान्यता और महत्व



पितरों के प्रति श्रद्धा, तर्पण और स्मरण का विशेष पर्व है पितृ पक्ष हिंदू धर्म की धार्मिक परंपराओं में पितृ पक्ष का विशेष महत्व माना गया है। यह वह समय होता है जब सनातन परंपरा में लोग अपने दिवंगत पूर्वजों के

स्मरण करते हैं, उनके निमित्त तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध करते हैं तथा उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हैं। पितृ पक्ष को सामान्य रूप से श्राद्ध पक्ष भी कहा जाता है। इस दौरान परिवार अपने पितरों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनके निमित्त धार्मिक अनुष्ठान करता है। पितृ पक्ष को लेकर लोगों के मन में सबसे सामान्य प्रश्न यह रहता है कि आखिर यह पक्ष 16 दिनों का ही क्यों होता है। इसे षोडश श्राद्ध क्यों कहा जाता है और इन दिनों में अलग-अलग तिथियों पर श्राद्ध करने की परंपरा क्यों बनाई गई है। धार्मिक मान्यताओं और पंचांग परंपरा के अनुसार पितृ पक्ष में पूर्वजों के लिए अलग-अलग तिथियों पर श्राद्ध एवं तर्पण किया जाता है। पितृ पक्ष का संबंध मुख्य रूप से भाद्रपद पूर्णिमा के बाद आने वाले कृष्ण पक्ष तथा अश्विन अमावस्या से माना जाता है। परंपरागत रूप से इस अवधि में पितरों के निमित्त श्राद्ध कर्म किए जाते हैं। सामान्य रूप से इसे लगभग 16 तिथियों की अवधि के रूप में समझा जाता है। इसी कारण इसे 'षोडश श्राद्ध' भी कहा जाता है।हिंदू पंचांग चंद्रमा की गति पर आधारित है। प्रत्येक पक्ष में प्रतिपदा से लेकर अमावस्या या पूर्णिमा तक विभिन्न तिथियां होती हैं। कृष्ण पक्ष में चंद्रमा धीरे-धीरे क्षीण होता है। इसी क्रम में पितृ पक्ष की धार्मिक परंपरा भी जुड़ी हुई है। मान्यता है कि पितृ पक्ष में व्यक्ति को अपने पूर्वजों का स्मरण करके उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त करनी चाहिए। श्राद्ध शब्द का संबंध भी 'श्रद्धा' से माना जाता है। अर्थात् अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और सम्मान के साथ किया गया धार्मिक कर्म श्राद्ध कहलाता है।पितृ पक्ष के दौरान परिवार में दिवंगत माता-पिता, दादा-दादी, परदादा-परदादी तथा अन्य पूर्वजों को स्मरण किया जाता है। जिस तिथि को किसी पूर्वज का निधन हुआ हो,

सामान्यतः उसी तिथि पर उनका श्राद्ध करने की परंपरा है। पितृ पक्ष की प्रत्येक तिथि का अपना महत्व है। प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक अलग-अलग तिथियों पर श्राद्ध किए जाते हैं। इसी कारण इसे केवल एक दिन का पर्व न मानकर पितरों के लिए समर्पित विशेष पक्ष माना गया है।धार्मिक मान्यता के अनुसार मनुष्य अपने जीवन में माता-पिता और पूर्वजों से प्राप्त संस्कार, परंपरा, परिवार और जीवन की विरासत को आगे बढ़ाता है। इसलिए पितरों का स्मरण केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं बल्कि उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का माध्यम भी माना जाता है।पितृ पक्ष में सबसे महत्वपूर्ण कर्मों में तर्पण का स्थान है। तर्पण में जल अर्पित करके पितरों का स्मरण किया जाता है। कई परिवारों में कुश, तिल और जल के माध्यम से विधिपूर्वक तर्पण किया जाता है।इसी प्रकार पिंडदान भी श्राद्ध कर्म का महत्वपूर्ण अंग माना जाता है। पिंड सामान्यतः चावल आदि से बनाए जाते हैं और उन्हें पितरों के निमित्त अर्पित किया जाता है। अलग-अलग क्षेत्रों और परंपराओं में इसकी विधि अलग हो सकती है।श्राद्ध के दौरान ब्राह्मण भोजन करने तथा यथाशक्ति दान करने की भी परंपरा है। कई परिवार गरीबों, जरूरतमंदों और गौ सेवा के माध्यम से भी पितरों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हैं।पितृ पक्ष का अंतिम दिन अमावस्या होता है, जिसे सर्वपितृ अमावस्या या महालय अमावस्या भी कहा जाता है। यह दिन उन सभी ज्ञात-अज्ञात पितरों के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है, जिनकी श्राद्ध तिथि परिवार को ज्ञात नहीं होती या जिनका श्राद्ध किसी कारण से निर्धारित तिथि पर नहीं हो पाया हो।सर्वपितृ अमावस्या को अनेक लोग अपने परिवार के सभी दिवंगत पूर्वजों का सामूहिक रूप से स्मरण करते हैं। इसी कारण पितृ पक्ष की अमावस्या को विशेष महत्व प्राप्त है।पितृ पक्ष में आने वाली तिथियों में प्रतिपदा, द्वितीया, तृतीया, चतुर्थी, पंचमी, षष्ठी, सप्तमी, अष्टमी, नवमी, दशमी, एकादशी, द्वादशी, त्रयोदशी, चतुर्दशी और अमावस्या प्रमुख हैं। इनके अलावा पूर्णिमा श्राद्ध की भी परंपरा कई पंचांगों और क्षेत्रों में मिलती है। यही कारण है कि पितृ पक्ष को षोडश श्राद्ध कहा जाता है। यहां 'षोडश' का अर्थ सोलह और 'श्राद्ध' का अर्थ श्राद्धपूर्वक

किया जाने वाला पितृ कर्म है।

हालांकि पंचांग की गणना में कभी-कभी तिथि की वृद्धि या क्षय होने के कारण कैलेंडर में पितृ पक्ष की दिखाई देते वाली अवधि में अंतर हो सकता है। इसलिए किसी वर्ष पितृ पक्ष लगातार 16 सामान्य कैलेंडर दिनों में दिखाई दे, यह आवश्यक नहीं है। धार्मिक दृष्टि से इसका आधार तिथियां है।पितृ पक्ष की परंपरा केवल कर्मकांड तक सीमित नहीं है। भारतीय संस्कृति में इसे परिवार और पीढ़ियों के बीच संबंध को याद करने का अवसर भी माना जाता है। यह पर्व व्यक्ति को यह संदेश देता है कि वर्तमान पीढ़ी अपने पूर्वजों के योगदान को न भूले।भारतीय परिवार व्यवस्था में पूर्वजों के प्रति सम्मान की परंपरा प्राचीन काल से रही है। परिवार के बुजुर्गों से प्राप्त ज्ञान, संस्कार और परंपराएं अगली पीढ़ी तक पहुंचती रही हैं। पितृ पक्ष इसी परंपरा का धार्मिक रूप माना जाता है।धार्मिक ग्रंथों और परंपराओं में पितृ ऋण की भी चर्चा मिलती है। देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण की अवधारणा भारतीय धार्मिक चिंतन का हिस्सा रही है। पितृ ऋण का भाव यह है कि व्यक्ति अपने पूर्वजों से प्राप्त जीवन और पारिवारिक विरासत के प्रति कृतज्ञ रहे।श्राद्ध के माध्यम से व्यक्ति अपने पितरों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करता है। धार्मिक मान्यता में यह कर्म परिवार की सुख-शांति और पितरों के आशीर्वाद से भी जोड़ा जाता है।पितृ पक्ष के दौरान सात्विक जीवन और संयम का पालन करने की परंपरा भी अनेक परिवारों में देखने को मिलती है। लोग धार्मिक कार्यों पर अधिक ध्यान देते हैं और पितरों के निमित्त दान-पुण्य करते हैं। कई स्थानों पर पितृ पक्ष के दौरान नदी, सरोवर या तीर्थ स्थान पर जाकर तर्पण और पिंडदान किया जाता है। गया, प्रयागराज, वाराणसी, हरिद्वार और अन्य तीर्थों में पितृ कर्म की विशेष धार्मिक परंपराएं प्रचलित हैं।गया में पिंडदान का विशेष महत्व माना जाता है। इसी प्रकार विभिन्न क्षेत्रों में

स्थानीय परंपराओं के अनुसार पितृ कर्म किए जाते हैं।श्राद्ध कर्म में तिल का भी विशेष महत्व बताया गया है। तिल और जल से तर्पण करने की परंपरा अनेक धार्मिक विधियों में मिलती है। कुश को भी श्राद्ध कर्म में महत्वपूर्ण माना जाता है। पितृ पक्ष में कीाओं को भोजन कराने की परंपरा भी कई परिवारों में प्रचलित है। धार्मिक मान्यता में कौए को पितरों से प्रतीकात्मक रूप से जोड़ा जाता है। इसी प्रकार गाय, कुत्ते और अन्य जीवों को भोजन कराने की परंपरा भी कुछ क्षेत्रों में देखने को मिलती है।इस परंपरा का एक सामाजिक पक्ष भी है। पितृ पक्ष के दौरान अन्नदान और जरूरतमंदों की सहायता करने से समाज में सहयोग और सेवा की भावना मजबूत होती है। श्राद्ध का वास्तविक अर्थ केवल भोजन या दान करना नहीं बल्कि श्रद्धा के साथ अपने पूर्वजों को याद करना है। इसलिए आर्थिक स्थिति के अनुसार ही धार्मिक कर्म करना उचित माना जाता है। धार्मिक परंपराओं में भाव और श्रद्धा को महत्वपूर्ण माना गया है।पितृ पक्ष हमें यह भी याद दिलाता है कि परिवार नश्वर है और प्रत्येक व्यक्ति को एक दिन अगली पीढ़ी के लिए विरासत छोड़कर जाना है। इसलिए वर्तमान पीढ़ी को अपने परिवार की परंपराओं, संस्कारों और बुजुर्गों के अनुभवों को संजोकर रखना चाहिए।आज के आधुनिक जीवन में परिवारों की संरचना बदल रही है।



मेघः – नकारात्मक चिन्ताओं को त्याग कर अपनी क्षमताओं पर भरोसा करें। नौकरी-पेशे में अधिकारियों व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा। राजनैतिक क्षेत्र के व्यक्तियों का सहयोग प्राप्त होगा।**बृषभः**– शासन-सत्ता के लोगों के साथ निकटता बढ़ेगी। नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य सिद्धि के आसार बनेंगे। पुराने संबंधों से लाभ संभव। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा।**मिथुनः**– कठिन एवं विषम परिस्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति के ओर अग्रसर होंगे। समाजिक सक्रीयता से मान-प्रतिष्ठा में बुद्धि होगी। घरेलू दायित्वो के प्रति आपकी महत्ता बढ़ेगी।**कर्कः**– कुछ भौतिक आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु मन को उडेलित करेंगी। निकटस्थ सम्बन्धों में भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती है। तामसी व गैर कारये पर आकर्षित मन पर अंकुश लगावें।**सिंहः**– कुछ नई इच्छाएं बलवती होंगी। प्रयासरत क्षेत्रों में संघर्ष संभव परन्तु निराशावादी बिचारों को मन में स्थान न दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित ब्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा।**कन्याः**– नई सफलताओं से खुद की क्षमताओं का ऐहशास होगा। जीविका क्षेत्र में अवरोधों से मन में निराशा प्रबल भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय की अपेक्षित है। सन्तति एवं सन्तानोत्पत्ति के लिए प्रयास सार्थक होंगे।**तुलाः**– किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लाएगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। दुबिधाओं को त्याग कर सही व स्वच्छ योजनाओं पर केन्द्रित हो।**वृश्चिकः**– कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कारये में व्यस्तता बढ़ेगी। परिजनों के सहयोग से मन उत्साहित होगा। हंसमुख स्वभाव से आस-पास वातावरण में प्रसन्नता बिखरेगे।**धनुः**– सम्बन्धों में व्यवहारकुशल बनें। समाजिक व मांगलिक कार्यक्रमों में आपकी भागीदारी संभव। कुछ महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता आप में नए उत्साह का संचार करेगा।**मकरः**– बिद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होंगी। नवीन आशाएं नवीन उत्साह लाएंगी। कार्य क्षेत्र में सम्बन्धों का भरपूर लाभ मिलेगा।**कुम्भः**– अन्तरमुखी स्वभाव को त्याग बह्रिमुखी बनें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति के आसार हैं। परिजनों के सुख-दुःख के प्रति मन चिन्तित होगा। कार्य क्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी।**मीनः**– पुराने सम्बन्धों पर बिजय प्राप्त कर सुखद अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से कोई अवरोधित कार्य हल होने के आसार बनेंगे।समुचित परिश्रम करने में असमर्थ मन परेशान होगा।

गांधी के लिए स्वराज के क्या मायने थे?

अरुण कुमार डनायक

राज शब्द की जड़ें भारतीय प्राचीन परंपरा में मिलती हैं। संस्कृत के स्व और राज से बना यह शब्द वैदिक काल में स्वतंत्र प्रभुत्व और अपनी सत्ता के अर्थ में प्रयुक्त हुआ। आगे चलकर रामायण में स्वराज्य अपने राज्य और राजसत्ता की पुनर्प्राप्ति का अर्थ देता दिखाई देता है। मध्यकाल में छत्रपति शिवाजी के हिन्दवी स्वराज्य ने इसे अपनी भूमि पर अपना शासन स्थापित करने का ठोस अर्थ दिया। समय के साथ स्वराज्य स्वतंत्र सत्ता से अपने राज्य तक पहुंचा और 1857 में विदेशी शासन से मुक्ति का प्रतीक बन गया। साहित्य में भी स्वराज की आकांक्षा 1857 के बाद मुखर हुई। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के आनन्दमठ (1882) में मातृभूमि के श्माश्र के रूप में चित्रित किया गया और वन्दे मातरम को राष्ट्रवादी चेतना का स्वर मिला। 1905 के बंग-भंग विरोधी स्वदेशी आंदोलन में यही गीत साहित्य से निकलकर जनआंदोलन का उद्घोष बन गया। विदेशी दासता से मुक्ति और अपना शासन स्थापित करने की आकांक्षा ने तिलक के उद्बोधकस्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगाइच्छा को जन-



जन की प्रेरणा बना दिया। 1916 में तिलक और एनी बेसेंट ने अलग-अलग होम रूल लीगों के माध्यम से स्वशासन की मांग को व्यापक किया। असहयोग आंदोलन के बाद स्वराज के मार्ग को लेकर मतभेद उभरे और 1923 में चित्तरंजन दास व मोतीलाल नेहरू ने स्वराज पार्टी बनाकर विधान परिषदों के भीतर से संघर्ष का रास्ता अपनाया। 1924 में गांधीजी और स्वराजवादियों के सम्मेलिते के बाद चरखे, सूत और स्वदेशी को बल मिला और स्वराज का अर्थ राजनीतिक स्वतंत्रता के साथ

आर्थिक आत्मनिर्भरता तक विस्तृत हुआ। अंततः, स्वराज की अवधारणा को व्यापक बनाया गांधी ने। उन्होंने स्वतंत्रता और स्वराज का अंतर स्पष्ट करते हुए बताया कि स्वतंत्रता बाहरी बंधनों से मुक्त है, लेकिन स्वराज केवल राजनीतिक आजादी नहीं, बल्कि अपने ऊपर शासन करने की क्षमता भी है। गांधी के लिए स्वराज का अर्थ थाकृपेसी लोकसत्ता, जो नैतिक आधार पर संचालित हो। गांधी के अनुसार स्वराज लोकसम्मति से चलने वाला शासन है, जिसका आधार सभी वयस्क स्त्री-पुरुषों का मताधिकार है। गांधी

मताधिकार को अधिकार के साथ जिम्मेदारी मानते थे और मददता से शारीरिक श्रम द्वारा देशसेवा की अपेक्षा रखते थे। उनके लिए सच्चा स्वराज सत्ता हासिल कर लेने में नहीं, बल्कि उसके दुरुपयोग का जन्तवा द्वारा प्रभावी प्रतिकार करने में हैय यह क्षमता जितनी अधिक होगी, स्वराज उतना ही सफल होगा। वे राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद भारत के द्वारा पश्चिमी देशों की संसदीय व्यवस्था का अंधानुकरण किए जाने के भी विरोधी थे। उनके मतानुसार स्वराज तभी सफल होगा जब भारत अपनी जनता

की प्रकृति और आवश्यकताओं के अनुरूप शासन-पद्धति विकसित करेगा। गांधी ने इसी आदर्श को रामराज्य कहा। उनके लिए रामराज्य किसी भी विरोध की सत्ता नहीं, बल्कि न्याय और नैतिकता पर आधारित जनता की सार्वभौम सत्ता था। स्वराज केकेवल शासन-पद्धति का परिवर्तन नहीं, बल्कि कठिनाइयों से जुड़ने की क्षमता, निरंतर जागरूकता और आत्मनिर्भरता का नाम है। गांधी चाहते थे कि नागरिक छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए सरकार पर निर्भर न रहें और अपनी सामर्थ्य के अनुसार आत्मनिर्भर बनें। स्वराज की रक्षा के लिए देशभक्ति भी आवश्यक है। गांधी के लिए देशभक्ति का अर्थ केवल देश के प्रति भावनात्मक लगाव नहीं थाय इसका अर्थ था अपने निजी स्वार्थ से ऊपर देश और समाज के कल्याण को महत्व देना। गांधी का हिन्द स्वराज किसी बहुसंख्यक समुदाय का नहीं, सबका और न्याय का राज्य था। किसान-मजदूर, धनवान-गरीब, हिन्दू-मुसलमान, सिख-ईसाई सभी को समान दर्जा मिले और धर्म, जाति या आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव न हो। प्रत्येक व्यक्ति को अन्न, वस्त्र और आवास जैसी मूलभूत आवश्यकताएं पर्याप्त रूप से उपलब्ध हों। गांधी के

स्वराज की अंतिम कसौटी केवल राजनीतिक या आर्थिक व्यवस्था नहीं, मानव कल्याण थी। लोगों को सुखी बनाने के साथ उनकी बौद्धिक और नैतिक उन्नति भी ध्येय होना चाहिए। ईश्वर की दी हुई प्राकृतिक संपदा किसी व्यक्ति या व्यवसाय के हाथों दूसरों के शोषण का साधन न बने। प्रत्येक मनुष्य को सम्मानपूर्वक जीवित रहने का अधिकार है। गांधी के स्वराज की यह व्यापक अवधारणा उनके व्रतों से भी जुड़ती है।कृषारो-श्रम, सन्तानता, संख्यकता, विकेंद्रीकरण, स्वदेशी, स्वावलंबन, सहयोग, सत्याग्रह, सर्वधर्म-समभाव, पंचायती राज और नई तालीम। इनका उद्देश्य केवल व्यक्ति के जीवन को अनुशासित करना नहीं, बल्कि ऐसा समाज बनाना था जिसमें सत्ता का केंद्रीकरण, आर्थिक शोषण और सामाजिक भेदभाव न्यूनतम हों तथा नागरिक अपने जीवन और समाज के निर्माण में स्वयं सहभागी बनें। गांधीजी ने शरीर-श्रम को विशेष महत्व दिया। बौद्धिक कार्य को शारीरिक श्रम से कम न मानते हुए भी वे प्रत्येक व्यक्ति से प्रतिदिन शरीर-श्रम की अपेक्षा करते थेय बिना श्रम किए भोजन करना उन्हें अनुचित लगता था।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री भारत मां के थे सच्चे सपूत : पंडित अरुण शर्मा

लोकेश कुमार

गुरुग्राम । सामाजिक संस्था भगवान श्री परशुराम सेवादल के पदाधिकारियों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को उनकी जयंती पर याद किया। संस्था के अध्यक्ष व जिला बार के पूर्व महासचिव पंडित अरुण शर्मा अधिवक्ता ने अदालत परिसर में स्थापित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए कहा कि आज पूरा देश महात्मा गांधी को याद कर रहा है, जिन्होंने सत्य और अहिंसा का पाठ पढ़ाया, स्वच्छता का संदेश दिया और देश को आजादी दिलाई। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने जय जवान-जय किसान का नारा दिया और देश के प्रति ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाया। आज ही के दिन 2 फूल खिले थे, जिनसे हिंदूस्तान महक उठा था। देश की आजादी में दोनों महान सपूतों का अहम योगदान रहा। इन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए आंदोलन चलाया था। सादा जीवन उच्च विचार धनी इन दोनों महान सपूतों देश ही नहीं, अपितु विदेशों में भी उन्हें सम्मान के साथ याद किया जाता है। दोनों ने देश की आजादी के आंदोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। भारत देश इन सपूतों को युगों-युगों तक याद रखेगा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने दलितों को सम्मान दिलाने के लिए काम किया और हरिजन शब्द का प्रयोग किया था। उन्होंने देशवासियों से आग्रह किया कि सभी को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व लालबहादुर शास्त्री के विचारों को अपने जीवन में लाना चाहिए और उनके जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए। तभी देश व समाज तरक्की कर सकेगा।

गिरिराज पर्वत उठाकर भगवान श्रीकृष्ण ने की थी ग्रामवासियों की रक्षा : मनमोहन बृजवासी

लोक हस्तक्षेप समाचार

गुरुग्राम। बृज रस गौ सेवा समिति द्वारा सैक्टर 4 स्थित वैश्य समाज धर्मशाला में आयोजित श्रीमद्भगवत कथा के 5वें दिन कथाव्यास पंडित मनमोहन बृजवासी ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, पूतना वध, कालिया नाग मर्दन, चिर हरण आदि का बहुत सुन्दर और सजीव वर्णन किया। गोवर्धन महाराज की पूजा और छयन भोग प्रसाद आकर्षण का केंद्र रहा। कथाव्यास ने कहा कि श्रीकृष्ण ने किस प्रकार इन्द्र का दम्भ चूर किया। सात दिनों तक उन्होंने गिरिराज पर्वत उठा कर ग्रामवासियों की मूसलाधार वर्षा से रक्षा की। ब्रजवासियों को इन्द्र की पूजा करने की बजाय अपने पर्वत, वृक्ष, नदियों, पशुओं और प्रकृति के संरक्षण के संदेश हमारे ग्रंथो में आज से 5000 वर्ष पूर्व ही दे दिया गया था। महासंचिव विजय अग्रवाल ने कहा कि मुख्य यजमान उषा भारद्वाज और उमा शंकर भारद्वाज ने गोवर्धन पूजन किया और महिलाओं ने गोवर्धन परिक्रमा की। 56 भोग का प्रशाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रुप में नगर निगम के डिप्टी मेयर अनूप सिंह, डॉ मनदीप गोयल, हरीश खंडेलवाल, सतपाल दहिया शामिल हुए और कथा का श्रवण किया। प्रधान अजय मंगला ने गोवर्धन महाराज का बहुत सुन्दर और भव्य स्वरूप बनाया, जिसकी सब ने दूध और पुष्पों से पूजा की। इस अवसर पर राजबीर यादव, अजय मंगला, सुन्दर दास अग्रवाल, राजेश शर्मा, लाल चंद गोयल, राम अवतार शर्मा, एसके गोयल, राज कुमार मित्तल, राजेश अग्रवाल, गिरधर, पंकज गर्ग, रामबिलास सिंगला, राम किशन गोयल, त्रिलोक अग्रवाल, सतीश गर्ग, सुमित गर्ग, गौरव गोयल, मीनाक्षी अग्रवाल, रीना भारद्वाज, अंजना मंगला, हेमा हाथरसी, कंचन गोयल, इन्द्रा अग्रवाल, राखी मित्तल, सीमा गर्ग, रंजना गोयल, उर्मिला गुप्ता आदि की उपस्थित रही।

धनतेरस से खुलेगा मां अन्नपूर्णा का खजाना स्वर्ण प्रतिमा के भी होंगे दर्शन

भक्तों को सुख-समृद्धि और अन्न-धन का आशीर्वाद मिलेगा

लोक हस्तक्षेप समाचार

वाराणसी। काशी में धनतेरस के साथ ही मां अन्नपूर्णा का खजाना भक्तों के लिए खुल जाएगा। वर्ष में एक बार मिलने वाले इस दुर्लभ दर्शन के लिए देश-विदेश से श्रद्धालु काशी पहुंचेंगे। धनतेरस से शुरू होकर तीन दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में भक्त मां अन्नपूर्णा के दरबार में धन-धान्य और सुख-समृद्धि की कामना करेंगे।

मान्यता है कि मां के खजाने के दर्शन और प्रसाद स्वरूप प्राप्त सिक्कों को घर में रखने से अन्न-धन की कमी नहीं होती। परंपराओं के क्रम में याचक के रूप में बाबा वशि?रवनाथ की झोली भरती है। इसके साथ ही पांच दिनों तक दर्शन पूजन का क्रम चलाता है।

घाटमपुर में दिन दहाड़े टॉवर से केबिल चोरी:टैक्निशियन ने पतारा चौकी में शिकायत की, पुलिस जांव में जुटी

कानपुर,एजेंसी। घाटमपुर के जहांगीराबाद गांव में कानपुर-सागर हाइवे किनारे स्थित टॉवर से चोर दिन दहाड़े केबिल काटकर चोरी कर ले गए। टैक्निशियन ने पतारा चौकी पहुंचकर तहरीर दी है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जांच पड़ताल करने के साथ जल्द घटना का खुलासा करने का दावा कर रही है। घाटमपुर थाना क्षेत्र के पतारा कस्बा निवासी श्याम स्वरूप द्विवेदी ने गुरुवार दोपहर पतारा चौकी पहुंचकर पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह इंडस टॉवर में टैक्निशियन के पद पर कार्यरत है। उनकी कंपनी का टॉवर कानपुर सागर हाइवे किनारे जहांगीराबाद गांव में स्थित है। बीते 27 तारीख की दोपहर लगभग दो बजे के लगभग अज्ञात चोर टॉवर की केबिन काट ले गए है। जिससे टॉवर कंपनी को हजारों का नुकसान हुआ है।उन्होंने कंपनी के अधिकारियों को जानकारी देने के साथ पतारा चौकी पहुंचकर जांचकर अज्ञात चोर के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही है।थाना प्रभारी बोले- जांच की जा रही है घाटमपुर इन्स्पेक्टर मनोज सिंह भदौरिया ने बताया कि सूचना मिली थी, घटना की जांच की जा रही है। जांच में सामने आया कि घटना के समय टैक्निशियन साइड पर मौजूद नहीं थे, जांच की जा रही है। जल्द घटना का खुलासा किया जाएगा।

सविदा लाइनमैन की कटंट से मौत:फाल्ट ठीक करते समय हादसा, हैलट में तोड़ा दम

कानपुर,एजेंसी। कानपुर के गोविंद नगर में शुक्रवार शाम बिजली का फाल्ट ठीक करने पोल पर चढ़े केस्को के सविदा लाइनमैन की कटंट लगने से मौत हो गई। हादसे के बाद साथी कर्मचारी उसे निजी अस्पताल ले गए, जहां से गंभीर हालत में हैलट रेफर किया गया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर परिजन अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने जांच-पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गोविंद नगर थाना प्रभारी के मुताबिक, सभी परिजनों की ओर से तहरीर नहीं मिली है।

साथी कर्मचारी के साथ फाल्ट ठीक करने पहुंचे थे: उन्नाव के औरास निवासी 48 वर्षीय लाला केस्को में सविदा कर्मचारी थे। उनकी तैनाती गोविंद नगर के उद्योग कुंज केस्को क्षेत्र में थी। परिवार में पत्नी सुमन, बेटा विकास और बेटी वैष्णवी हैं। बेटे विकास ने बताया कि शुक्रवार शाम करीब 5 बजे गोविंद नगर में बिजली का फाल्ट हुआ था। विभाग को सूचना मिलने के बाद उनके पिता साथी कर्मचारी के साथ साढ़े 5 बजे के करीब मौके पर पहुंचे।

इटावा/महेवा,गुरुग्राम,सीतापुर, उन्नाव

कानपुर में स्कूल बस की टकर, महिला टीचर की मौत:3 छात्र घायल, कांच के टुकड़े सिर-चेहरे में घुसे

कानपुर,एजेंसी। कानपुर में स्कूल बस की तेज रफ्तार डंपर से आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में महिला टीचर की मौत हो गई। 6 लोग घायल हैं। इनमें 3 छात्र, 3 टीचर हैं। बस से स्कूल के 35 टीचर और छात्र गांधी जयंती मनाने जा रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस के शीशे टूटकर बिखर गए। शीशे के टुकड़े किसी के आंख-सिर तो किसी के गर्दन पर लग गए। मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को बस से निकाला और अस्पताल भिजवाया। हादसा शुक्रवार सुबह 8 बजे कानपुर-सागर हाईवे पर हरबसपुर गांव के पास हुआ। डंपर चालक को ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। बस घाटमपुर के चीमा पब्लिक स्कूल की थी। मृतक टीचर का नाम ऐश्वर्या श्रीवास्तव (35) था।



टीचर की मौत के बाद प्रिंसिपल बेसुध: चीमा पब्लिक स्कूल के बस ड्राइवर अर्जुन ने बताया-

कानपुर-सागर हाईवे पर बिधनू थाना क्षेत्र के हरबसपुर गांव के पास पहुंचा था। तभी सामने से

मौरंग लदा डंपर एक कार को ओवरटेक करते समय अचानक सामने आ गया। डंपर से बचाने के

ग्राम चौपाल का हुआ आयोजन, ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गईं

लोक हस्तक्षेप समाचार

इटावा/महेवा। ग्राम पंचायत महेवा के पंचायत घर पर शुक्रवार को ग्राम चौपाल का आयोजन ग्राम प्रशासक श्रीमती कुमुद सिंह की अध्यक्षता में किया गया। बैठक का संचालन ग्राम पंचायत सचिव अजय कुमार ने किया। इस दौरान सहायक विकास अधिकारी पंचायत इंद्रपाल सिंह भदौरिया भी मौजूद रहे।

चौपाल में ग्राम सचिव द्वारा ग्रामीणों की समस्याओं एवं शिकायतों को सुनते हुए उनके शिकायती पत्र प्राप्त किए गए। साथ ही ग्राम पंचायत में पूर्व में कराए गए विकास कार्यों की जानकारी ग्रामीणों को दी गई। आगामी वित्तीय वर्ष में प्रस्तावित विकास कार्यों के संबंध में भी ग्रामीणों को विस्तार से अवगत कराया गया।

सहायक विकास अधिकारी पंचायत इंद्रपाल सिंह भदौरिया ने ग्रामीणों से गांव में साफ-सफाई व्यवस्था बनाए रखने तथा बरसात के बाद होने वाली मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की अपील की। उन्होंने घरों के आसपास जलभराव न होने देने और साफ-सफाई रखने की बात कही।

सांडने बुजुर्ग को कई बार पटका, मौत:

कानपुर,एजेंसी। कानपुर के शिवराजपुर कस्बे में छट्ठा सांडों के आतंक से एक बुजुर्ग की जान चली गई। बुधवार रात 70 वर्षीय हरिशंकर सक्सेना पर सांडों के झुंड ने हमला कर दिया। एक सांड ने उन्हें कई बार सींगों से उठाकर जमीन पर पटका। मकखन सिंह नगर निवासी हरिशंकर सक्सेना बुधवार रात शिवराजपुर कस्बे से घर लौट रहे थे। रास्ते में सांडों के झुंड ने उन्हें घेर लिया। हमले में उनके सिर, गर्दन, छाती और हाथ-पैरों में गंभीर चोटें आईं। शोर सुनकर आसपास के लोगों ने सांडों को भागाया। परिजन घायल हरिशंकर को कानपुर के निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत बताया। कस्बा इंचार्ज हेमेंद्र कुमार के मुताबिक, परिजनों ने पोस्टमार्टम से इनकार कर दिया।

कानपुर में सांप के डसने से बच्चे की मौत :अस्पताल ले जाते समय मौत, पेशाब करने झाड़ियों में गया था

कानपुर,एजेंसी। कानपुर के साढ़ थाना क्षेत्र के सूलपुर उमरा गांव में गुरुवार देर शाम घर के बाहर खेल रहे 10 साल के बच्चे को सांप ने डस लिया। बच्चा पेशाब करने के लिए घर के पास झाड़ियों में गया था, तभी सांप ने उसके पैर में काट लिया। सांप के डसने के बाद बच्चा रोते हुए घर पहुंचा और परिजनों को घटना की जानकारी दी। परिजन उसे तुरंत पास के निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया। परिजन बच्चे को हायर सेंटर लेकर जा रहे थे, तभी रास्ते में उसकी हालत बिगड़ गई। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बच्चों के साथ खेल रहा था, पेशाब करने गया था: सूलपुर उमरा गांव निवासी किसान गोविंद कुमार के परिवार में पत्नी निशा देवी, बेटा अंकुश, छोटा बेटा मोहित और बेटा शशी हैं। गुरुवार देर शाम मोहित (10) घर के बाहर पड़ोस के बच्चों के साथ खेल रहा था। इसी दौरान उसे पेशाब लगी और वह घर के पास झाड़ियों की ओर चला गया। मोहित जैसे ही झाड़ियों के पास पहुंचा, वहां छिपे सांप ने उसके पैर में डस लिया। सांप के काटते ही वह धबका गया और रोते हुए घर पहुंचा। उसने परिजनों को बताया कि झाड़ियों के पास सांप ने उसके पैर में काट लिया है। इलाज के लिए ले गए, रास्ते में



सत्यपाल सिंह ने किसानों को धान की उन्नत खेती, फसल प्रबंधन तथा बेहतर उत्पादन के लिए अपनाई जाने वाली कृषि तकनीकों की जानकारी दी। इस दौरान किसानों को टोपी, डिब्बा सहित कृषि उपयोगी सामग्री भी वितरित की गई।कार्यक्रम में किसान

समाजसेवी विमल राजपूत,सोनू पाल,जितेंद्र राजपूत, संजय राजपूत, आदेश कुशवाह, रेशू, शिवहरन सहित अन्य किसान मौजूद रहे। किसानों ने खेत में लगे प्रदर्शन को देखा और कृषि विभाग के अधिकारियों से खेती से संबंधित जानकारी प्राप्त की।

लिए बस को सड़क से नीचे उतारने की कोशिश की, लेकिन डंपर ने साइड में टक्कर मार दी। प्रिंसिपल सुभांगी सिंह कार से बस के पीछे आ रही थीं। हादसे का पता चलते ही वह बिधनू सीएचसी पहुंचीं। वहां ऐश्वर्या की मौत की खबर सुनते ही बेसुध हो गईं। साथी टीचर्स ने उन्हें संभाला। वह बार-बार यही कहती रहीं कि ऐश्वर्या के घरवालों को क्या जवाब दूंगी। टीचर बोले- सामने से मौत आती दिखी चीमा पब्लिक स्कूल के मैथ टीचर दीपक पाल ने बताया- डंपर सामने से बस की ओर आता दिखाई दे रहा था। ड्राइवर ने बस को बचाने का प्रयास किया, लेकिन टक्कर हो गई। हादसे का मंजर देखकर सभी की रूह कांप गई। स्कूल परिवार ने अपना एक साथी खो दिया।

2 टीचर को जिला अस्पताल रेफर किया गया: हादसे में

प्राथमिक विद्यालय ढकाताल में धूमधाम से मनाई गई गांधी-शास्त्री जयंती

लोक हस्तक्षेप समाचार

महेवा। विकास खंड महेवा क्षेत्र के ग्राम ढकाताल स्थित प्राथमिक विद्यालय में शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय परिसर में दोनों महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर की गई।इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य योगेंद्र प्रताप सिंह ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जीवन, संघर्ष एवं देश के प्रति उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को उनके आदर्शों और सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि गांधी जी का सत्य और अहिंसा का मार्ग तथा शास्त्री जी का सादगी, ईमानदारी और देशसेवा का संदेश आज भी सभी के लिए प्रेरणादायक है।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में बच्चों को महापुरुषों के जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारीयां दी गई तथा स्वच्छता, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया गया।इस दौरान शिक्षक आशुतोष, कुंअर पाल, अनुपम, धर्मेन्द्र सिंह, सुमनलता सहित विद्यालय के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

बकेवर क्षेत्र में तेंदुए की आहत से ग्रामीणों में दहशत

लोक हस्तक्षेप समाचार

महेवा। थाना बकेवर क्षेत्र के अंतर्गत अंदावा गांव में पशु बाड़े में घुसकर पशु पालक की पालतू गाय के बच्चे को जंगली जानवर ने मारकर खा लिया ग्रामीणों के अनुसार गांव में तेंदुए की दस्तक बताई जा रही है वहीं सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने भी स्थलीय निरीक्षण किया व निगरानी बढ़ाने की बात कही है।

गांव अंदावा निवासी संजय यादव की गाय का करीब दो माह का बच्चा पशु बाड़े में अन्य पशुओं के साथ बंधा था गुरुवार की रात में जंगली जानवर ने उसे मारकर आधे से अधिक हिस्सा खा लिया सुबह जब वह चारा पानी देने के लिए गए तो देखा उन्होंने ग्राम प्रधान सहित पुलिस व वन विभाग को सूचना दी सूचना पर वन क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार दलबल सहित पहुंचे ग्रामीणों ने बताया कि पिछले माह तेंदुए को क्षेत्र में देखा गया था व पूर्व में भी एक पालतू पशु पर हमला किया था वन क्षेत्राधिकारी ने निगरानी टीम लगाने की बात कही है वहीं पशु पालकों एवं किसानों में दहशत व्याप्त है।



लोक हस्तक्षेप समाचार

महेवा। विकास खंड क्षेत्र के ग्राम धर्मपुर में शुक्रवार को वीरांगना महारानी अवंती बाई लोधी की स्मृति में लगाए गए बोर्ड का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बंटी लोधी, प्रदेश महासचिव तथा जिला अध्यक्ष सतीश लोधी सहित मिशन अवंती के प्रदेशभर से आए पदाधिकारी मौजूद रहे।कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों और उपस्थित लोगों ने महारानी अवंती बाई लोधी के जयकारे लगाए। इसके साथ ही स्वर्गीय महेंद्र सिंह के जयकारे तथा लोधी एकता जिंदाबाद के नारे भी लगाए गए।कार्यक्रम के आयोजकों एवं संस्थापक मंडल में नरोत्तम सिंह, सीटू राजपूत, अंकित राजपूत, प्रवेश, कृष्णा, अमित, मनीष एवं कमलेश सहित अन्य लोग शामिल रहे।इस अवसर पर इतवारीलाल, कुंवर सिंह, यशोदानंदन, चंद्रप्रकाश, रवि राजपूत, देवेंद्र, आशीष, हिमाशु, शिवा, अमित समेत सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण एवं क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने महारानी अवंती बाई के जीवन और उनके योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया।

साध्वी ऋतम्भरा ने कार्यालय पहुंचकर डा. परमेश्वर अरोड़ा को दिया आशीर्वाद

लोक हस्तक्षेप समाचार

गुरुग्राम। राष्ट्र गौरव साध्वी ऋतम्भरा न्यू कॉलोनी स्थित आयुर्वेदचार्य डॉ. परमेश्वर अरोड़ा के कार्यालय पहुँचीं, जहां डॉ. परमेश्वर अरोड़ा ने उनका गर्मजोशी और आदरपूर्वक स्वागत किया। साध्वी ऋतम्भरा ने आगमन से अभिभूत डॉ. अरोड़ा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि दीदी माँ के पवन चरणों के उनके कार्यालय पर पड़ने से उनका मन अत्यंत आनंदित और गौरवान्वित है। इस मुलाकात के दौरान दोनों के बीच आध्यात्मिक चर्चा के साथ-साथ समाज कल्याण और राष्ट्र निर्माण के विभिन्न पहलुओं पर सार्थक विचार-विमर्श हुआ। साध्वी ऋतम्भरा ने डॉ. परमेश्वर अरोड़ा को समाज सेवा के कार्यों को और अधिक ऊँचाइयों देने के लिए प्रेरित किया, जिससे मानवता की भलाई का यह सिलसिला निरंतर आगे बढ़ सके। डॉ. अरोड़ा ने साध्वी के विचारों को अपने जीवन और कार्यशैली का मार्गदर्शक बताया। यह मुलाकात क्षेत्र के प्रबुद्ध जनों के बीच चर्चा का केंद्र बनी रही, जहाँ सभी ने साध्वी ऋतम्भरा के ओजस्वी विचारों और डॉ. परमेश्वर अरोड़ा के सामाजिक व चिकित्सा क्षेत्र में दिए जा रहे योगदान की सराहना की।





अंजलि अरोड़ा ने भक्ति को धर्म से ऊपर बताया

कहा- 'सेट पर कई मुस्लिमों ने बनाए रामजी के गाने

अभिनेत्री अंजलि अरोड़ा फिल्म 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' में माता सीता के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि भक्ति और ईसानियत का किसी धर्म से कोई लेना-देना नहीं है। साथ ही, अभिनेत्री ने उन लोगों को भी आड़े हाथ लिया जो सनातन धर्म पर गर्व करने वालों को छोटा समझते हैं। अभिनेत्री ने आईएनएस के साथ बातचीत में बताया कि फिल्म की टीम में कई मुस्लिम भी थे, जिन्होंने भगवान राम की कहानी पर बनी इस फिल्म में अपना योगदान दिया है। धार्मिक पहचान जाहिर करने पर लोगों को ट्रोल किए जाने के सवाल पर अंजलि ने कहा कि सच्ची आस्था सिर्फ पूजा-पाठ में नहीं बल्कि आपके दूसरों के साथ बर्ताव में भी दिखनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'ऐसे लोग धर्म में तो यकीन रखते हैं लेकिन ईसानियत में नहीं। जो व्यक्ति भगवान में

विश्वास रखता है, वह हर धर्म में विश्वास रखता होगा। मैं हिंदू हूं, अगर मेरे सामने कोई मुस्लिम बैठा भी होगा, तो मैं उसे सामान्य इंसान की तरह देखूंगी।' 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' के सेट के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए अंजलि ने याद किया कि कू के कई सदस्य मुस्लिम थे और फिर भी उन्होंने फिल्म के भक्ति संगीत में अपना योगदान दिया। उन्होंने कहा, 'हमारे सेट पर स्पॉट दादा, लाइट दादा, म्यूजिक डायरेक्टर समेत कई लोग मुस्लिम थे और और अच्छे से काम करते थे। उन्होंने भगवान राम के गाने गाए और संगीत तैयार किया। किसी व्यक्ति का धर्म यह तय नहीं करता कि वह किसी प्रोजेक्ट में अपना योगदान दे सकता है या नहीं। बस उसके अंदर वह अनुशासन होना चाहिए, जो हमारे शास्त्र हमें सिखाते हैं।' 'बता दें कि, 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' में अंजलि ने माता सीता का किरदार निभाया है जबकि देव शर्मा भगवान राम के रोल में हैं। फिल्म में शील वर्मा लक्ष्मण, निर्भय वाधवा हनुमान और रजनीश दुग्गल रावण के किरदार में नजर आए हैं। अभिषेक सिंह द्वारा निर्देशित और प्रकाश महोबिया और संजय बुंदेला द्वारा प्रोड्यूस की गई यह फिल्म 25 सितंबर को हिंदी और छत्तीसगढ़ी में रिलीज हुई है।



बॉर्डर के पीछे जे. पी. दत्ता की निजी कहानी, भाई के अनुभव से मिला था फिल्म का आइडिया



मुंबई । हिंदी सिनेमा में जब भी जंग, फौजी और देश की सीमा पर तैनात जवानों पर आधारित फिल्मों का जिक्र होता है, जे. पी. दत्ता का नाम सबसे पहले आता है। 'बॉर्डर', 'एलओसी कारगिल' और 'पलटन' जैसी फिल्मों के जरिए उन्होंने पर्दे पर सैनिकों की बहादुरी के साथ-साथ उनके पीछे छुटे परिवारों की भावनाओं को भी दिखाया। बहुत कम लोग जानते हैं कि 'बॉर्डर' के पीछे सिर्फ एक फिल्ममेकर की कल्पना नहीं, बल्कि जे. पी. दत्ता की अपनी जिंदगी और परिवार का अनुभव भी था। उन्होंने खुद कई इंटरव्यू में बताया कि उनका फौज से जुड़ाव फिल्मों से बहुत पहले का था। जे. पी. दत्ता का जन्म 3 अक्टूबर 1949 को मुंबई में हुआ था। उनके पिता ओ. पी. दत्ता भी फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लेखक थे। जे. पी. दत्ता की फिल्मों की दुनिया को एक अलग दिशा उनके परिवार के फौजी कनेक्शन ने दी। उनके छोटे भाई दीपक

दत्ता एयरफोर्स में थे और 1971 की जंग के दौरान उन्होंने लोंगेवाला की लड़ाई में हिस्सा लिया था। जे. पी. दत्ता ने एक इंटरव्यू में बताया कि जब उनके छोटे भाई 1971 की जंग से वापस लौटे, तब उन्होंने उस कहानी को एक रफ बुक में लिखना शुरू किया था। उस समय वह कॉलेज में थे। उनके घर में जंग के दौरान उनकी मां रेडियो के पास बैठकर अपने बेटे की सलामती की खबर सुनने की कोशिश करती थीं। यही इंतजार और चिंता बाद में उनकी फिल्मों को दिखाने की कोशिश की गई और इसका सेटअप वास्तविक घटना पर आधारित रखा गया था। फिल्म की शूटिंग आसान नहीं थी। उन्होंने बताया कि रेगिस्तान में शूटिंग के दौरान दिसंबर की ठंड में काम करना पड़ा था। फिल्म में करीब 40 टैंक, 1,000 आर्मी जवान और बड़ी यूनिट के साथ शूटिंग की गई थी। 'बॉर्डर' रिलीज होने के बाद जे. पी. दत्ता का नाम युद्ध फिल्मों के साथ मजबूती से जुड़ गया। फिल्म को 1997 के लिए राष्ट्रीय एकता पर सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का नरगिस दत्त पुरस्कार भी मिला। दिलचस्प बात यह है कि 'बॉर्डर' के बाद दत्ता ने कई साल तक इसी जॉनर में काम किया। 'एलओसी कारगिल' में उन्होंने 1999 के कारगिल युद्ध की कहानी को बड़ी स्टारकास्ट के साथ पर्दे पर उतारा। इसके बाद 'पलटन' में 1967 के नाथूला संघर्ष की कहानी दिखाई। 'पलटन' के दौरान उन्होंने बताया था कि इस घटना के बारे में बहुत कम लोग जानते थे और आर्मी के दोस्तों से मिली जानकारी के बाद उन्होंने इस कहानी पर फिल्म बनाने का फैसला किया। हालांकि, जे. पी. दत्ता ने करियर में 'गुलामी', 'यतीम', 'बंटवारा', 'हथियार', 'क्षत्रिय', 'रिप्यूजी' और 'उमराव जान' जैसी फिल्में भी बनाईं। 2006 की 'उमराव जान' के बाद वह लंबे समय तक निर्देशन से दूर रहे और 2018 में 'पलटन' के साथ वापस लौटे।

केबीसी में बिग बी ने किया कोलकाता पार्क स्ट्रीट का जिक्र



बोले- दुनिया में कहीं नहीं देखा था ऐसा नजारा

पर नजर आ रहे हैं। शो के दौरान अभिनेता ने कोलकाता की मशहूर पार्क स्ट्रीट से जुड़ाव के बारे में बताया। अभिनेता ने कोलकाता के मशहूर रेस्टोरेंट और लाइव-म्यूजिक क्लबर को याद किया। साथ ही, उन्होंने बताया कि कैसे पार्क स्ट्रीट शहर की नाइटलाइफ और मनोरंजन का अहम हिस्सा हुआ करती थी। कटेस्ट्रेट शोर्जय दास से बात करते हुए अभिनेता ने कहा, 'उस समय हम सभी के रात का एंटरटेनमेंट यही हुआ करता था। कोलकाता पार्क स्ट्रीट में सभी रे रेस्टोरेंट लाइन में लगे हुए होते थे। वह बहुत अद्भुत जगह है, विषय भर में मैंने ऐसी जगह कहीं नहीं देखी थी कि एक ही सड़क पर, 5-6 रेस्टोरेंट एक साथ मिलेंगे और सब एक से एक अक्वल नंबर पर।' 'मेगास्टार ने आगे बातचीत में पार्क



अभिनेता अमिताभ बच्चन इन दिनों क्विज रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति-18' में होस्ट के तौर पर नजर आ रहे हैं। शो के दौरान अभिनेता ने कोलकाता की मशहूर पार्क स्ट्रीट से जुड़ाव के बारे में बताया। अभिनेता ने कोलकाता के मशहूर रेस्टोरेंट और लाइव-म्यूजिक क्लबर को याद किया। साथ ही, उन्होंने बताया कि कैसे पार्क स्ट्रीट शहर की नाइटलाइफ और मनोरंजन का अहम हिस्सा हुआ करती थी। कटेस्ट्रेट शोर्जय दास से बात करते हुए अभिनेता ने कहा, 'उस समय हम सभी के रात का एंटरटेनमेंट यही हुआ करता था। कोलकाता पार्क स्ट्रीट में सभी रे रेस्टोरेंट लाइन में लगे हुए होते थे। वह बहुत अद्भुत जगह है, विषय भर में मैंने ऐसी जगह कहीं नहीं देखी थी कि एक ही सड़क पर, 5-6 रेस्टोरेंट एक साथ मिलेंगे और सब एक से एक अक्वल नंबर पर।' 'मेगास्टार ने आगे बातचीत में पार्क

भगवान राम का किरदार निभा रहे देव शर्मा ने कहा- 'जय श्री राम' बोलने में मुझे कोई शर्म नहीं

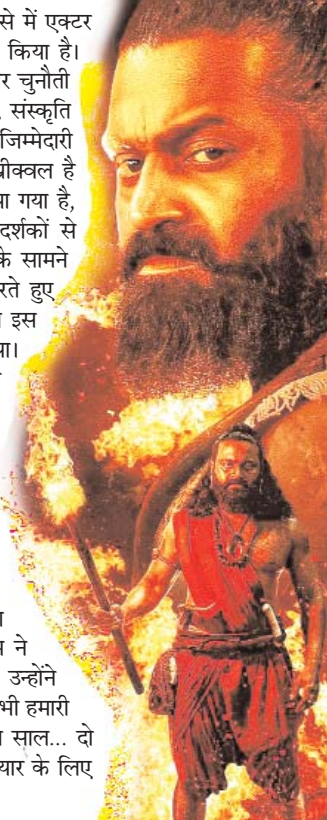


मुंबई । फिल्म 'श्री रामायण कथा' में भगवान राम का किरदार निभाने वाले एक्टर देव शर्मा इन दिनों अपने रोल के साथ-साथ अपनी आस्था को लेकर दिए बयान की वजह से चर्चा में हैं। आईएनएस से बात करते हुए देव ने कहा कि वह खुद को गर्व से सनातनी मानते हैं और भगवान राम के प्रति अपनी आस्था को सार्वजनिक तौर पर जाहिर करने में उन्हें कोई शर्म नहीं है। हालांकि, उनका मानना है कि आस्था जताने का तरीका हर इंसान का अपना होता है। देव ने कहा, 'अगर आपने अमिताभ बच्चन की 'डॉन' देखी है, तो जब पहली 'डॉन' आई थी, उसका गाना काफी तेज और हाई पिच में था। एक तरह से उसमें चिल्लाकर लोगों को बताया गया कि 'मैं हूँ डॉन।' जब शाहरुख सर की 'डॉन' देखी है, तो जाना बहुत स्मूथ और टोंड-डाउन तरीके से था। बिना किसी हाई पिच के आराम से कहा गया कि 'मैं हूँ डॉन।' उन्होंने कहा, 'सनातन या किसी भी धर्म के प्रति अपनी आस्था जताने का तरीका भी कुछ ऐसा ही हो सकता है।

कांतारा चैप्टर 1

सफर पर ऋषभ शेटी ने जताया आभार, बोले- 'यह जिम्मेदारी भी थी और सौभाग्य भी

'कांतारा चैप्टर 1' को रिलीज हुए एक साल पूरा हो चुका है। ऐसे में एक्टर और डायरेक्टर ऋषभ शेटी ने फिल्म से जुड़े अपने सफर को याद किया है। उन्होंने बताया कि इस फिल्म को बनाना उनके लिए कितना खास और चुनौती भरा रहा। ऋषभ ने कहा कि 'कांतारा' की कहानी हमेशा अपनी मिट्टी, संस्कृति और वहां के लोगों से जुड़ी रही है और इस दुनिया को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी उनके लिए आसान नहीं थी। 'कांतारा चैप्टर 1' पहली फिल्म का प्रीक्वल है यानी इसमें कहानी को और पीछे ले जाकर उन घटनाओं को दिखाया गया है, जिनसे 'कांतारा' की दुनिया की शुरुआत हुई। पहली फिल्म को दर्शकों से जबरदस्त प्यार मिला था। ऐसे में एक नई कहानी के साथ दर्शकों के सामने आना ऋषभ के लिए बड़ी चुनौती थी। अपने अनुभव को याद करते हुए ऋषभ ने लिखा, 'सबसे बड़ी चुनौती थी ऐसी ऑडियंस के सामने इस प्रीक्वल को लाना, जिसने 'कांतारा' को पहले ही इतना प्यार दिया था। कहानी को उसकी जड़ों तक ले जाना, शुरुआत को और गहराई से दिखाना और उस जमीन से जुड़ी कहानी कहना मेरे लिए एक बड़ी जिम्मेदारी थी, लेकिन यह मेरे लिए सौभाग्य की बात भी थी।' ऋषभ ने टीम के हर सदस्य का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, 'मेरी टीम के हर एक सदस्य का दिल से शुक्रिया, जो हर कदम पर मेरी ताकत बनकर मेरे साथ खड़ा रहा।' उन्होंने पोस्ट में आगे फिल्म की रिलीज के बाद थिएटर में दर्शकों के रिएक्शन को याद करते हुए लिखा, 'दर्शकों के चेहरों पर जो खुशी मैंने देखी, वह आज भी मेरे जेहन में ताजा है। वह पल, वह खामोशी, तालियां और उसके बाद मिला प्यार हमेशा मेरे लिए खास रहेगा। अपने पोस्ट के आखिर में ऋषभ ने दर्शकों से इसी तरह प्यार और सपोर्ट बनाए रखने की उम्मीद जताई। उन्होंने लिखा, 'मुझे उम्मीद है कि आपका प्यार, आशीर्वाद और सपोर्ट आगे भी हमारी आने वाली सभी कोशिशों में इसी तरह हमारे साथ बना रहेगा। पांच साल... दो कहानियां... एक सपना... एक कभी न भूलने वाला सफर। आपके प्यार के लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगा।



कुछ हीरो चुपचाप काम करते हैं', कैप्टन रिमल मच्छार की बहादुरी को बॉलीवुड का सलाम

मुंबई । पलाईडुबई के विमान में सवार 174 यात्रियों की जान बचाने वाले भारतीय पायलट रिमल मच्छार की हर तरफ प्रशंसा हो रही है। मनोरंजन जगत के सितारे भी उनकी बहादुरी की सराहना करने में पीछे नहीं रहे। कई सेलेब्स ने सोशल मीडिया के जरिए कैप्टन रिमल के साहस को सलाम किया। अभिनेता जैकी श्रॉफ ने कैप्टन और इस हादसे को टालने में शामिल सभी लोगों को सलाम किया। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर तस्वीर पोस्ट कर लिखा, 'कुछ हीरो चुपचाप अपना काम करते हैं। कैप्टन रिमल मच्छार और सभी बहादुर लोगों को मेरी तरफ से सम्मान, जिन्होंने लोगों की जान बचाई और एक बड़ा हादसा होने से रोका।' शिल्पा शेटी ने प्रभावित लोगों के प्रति अपना समर्थन जताया और कैप्टन के इस कदम की तारीफ की। उन्होंने लिखा, 'इस घटना से प्रभावित सभी लोगों के लिए दिल से दुआ और कैप्टन रिमल मच्छार के लिए दिल से सम्मान, जिन्होंने 170 से ज्यादा लोगों की जान बचाई।' भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने भी पायलट रिमल मच्छार की जमकर सराहना की। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर कैप्टन की तस्वीर पोस्ट कर लिखा, 'हिम्मत सिर्फ एक शब्द नहीं है बल्कि, यह मुश्किल समय में लिया गया सही फैसला है। कैप्टन रिमल मच्छार ने लोगों की जिंदगी बचाने के लिए खुद की जान जोखिम में डाली।' उन्होंने आगे लिखा, 'मुश्किल घड़ी में उन्होंने जिस हिम्मत, सूझबूझ और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया, वह पूरे देश के लिए गर्व की बात है। घायल होने के बावजूद उन्होंने विमान में सवार सैकड़ों यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई। कैप्टन रिमल मच्छार को सलाम। आपकी हिम्मत और कर्तव्य के प्रति समर्पण हमेशा याद रखा जाएगा।' अभिनेता वरुण धवन ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर कैप्टन रिमल मच्छार की तस्वीर पोस्ट कर लिखा, 'सलाम हमारे कैप्टन रिमल मच्छार को। आपकी हिम्मत और बहादुरी ने हम सभी को गर्व महसूस करवाया है। आप तो हम सभी के लिए प्रेरणा हैं। जय हिंद।' दिग्गज गीतकार और लेखक जावेद अख्तर ने दुबई से तेल अवीव जा रही पलाईडुबई पलाइट में हुई घटना के दौरान भारतीय पायलट कैप्टन रिमल मच्छार के साहस की तारीफ की। इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए अख्तर ने रिमल की हिम्मत को सलाम किया और कहा कि पायलट को उनके इस काम के लिए सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने लिखा, 'रिमल मच्छार को दिल से सलाम। इसमें कोई शक नहीं कि वह बड़े सम्मान के हकदार हैं।



कीर्ति सुरेश की 'सत्यवान सावित्री' की नई डेट का ऐलान, इस दिन दुनिया भर में होगी रिलीज

चेन्नई । डायरेक्टर प्रवीण एस. विजय की कोर्टरूम ड्रामा फिल्म 'सत्यवान सावित्री' की नई रिलीज डेट सामने आ गई है। कीर्ति सुरेश और डायरेक्टर मिश्रिकन की लीड रोल वाली इस फिल्म को अब दुनियाभर के सिनेमाघरों में 20 नवंबर को रिलीज किया जाएगा। इसकी जानकारी फिल्म के मेकर्स ने शुक्रवार को सोशल मीडिया के जरिए दी। फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे बैनर इर्मास्टक्स प्रोडक्शंस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, "अब और खामोशी नहीं। सावित्री की लड़ाई शुरू होती है।" तमिल और तेलुगु में भी यही पोस्ट शेयर किया गया। मेकर्स ने बताया कि 'सत्यवान सावित्री' 20 नवंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें कि फिल्म की रिलीज पहले 24 जुलाई को तय की गई थी, लेकिन बाद में मेकर्स ने रिलीज डेट टाल दी। फिल्म के मेकर्स ने इसी साल मई में इसका फर्स्ट और सेकंड लुक भी जारी किया था। फर्स्ट लुक पोस्टर में कीर्ति सुरेश पीछे मुड़कर देखती नजर



आती थीं, जबकि उनके आसपास कई वकील आगे की तफ़ देख रहे हैं। इस पोस्टर को शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा था, 'शांत चेहरा, लेकिन रुकने वाली ताकत नहीं। अब खेल उसी का है।' फिल्म की कहानी को लेकर सामने आई जानकारी के मुताबिक, 'सत्यवान सावित्री' दो वकीलों की कहानी है, जिनके किरदार कीर्ति सुरेश और डायरेक्टर मिश्रिकन निभा रहे हैं। मिश्रिकन फिल्म में कीर्ति के सीनियर एडवोकेट के रोल में नजर आएंगे।

5 साल बाद पर्दे पर तनिशा मुखर्जी की वापसी

डायरेक्टर कपिल कौस्तुभ शर्मा की पारसी कहानी जिंदगी फिर भी खूबसूरत है के साथ

मुंबई पाँच साल बाद तनिशा मुखर्जी बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं और इस बार उनके साथ है फिल्ममेकर कपिल कौस्तुभ शर्मा की कहानी जिंदगी फिर भी खूबसूरत है। मार्गाओ फाइल्स की सफलता के बाद कपिल अब एक ऐसी कहानी लेकर आ रहे हैं, जो पूरी तरह जिंदगी के छोटे-बड़े पलों से जुड़ी है और कई दशकों का सफर तय करती है। यह फिल्म दिखाती है कि वक्त के साथ इंसान, रिश्ते और जज्बात किस तरह बदलते जाते हैं। मुंबई की पारसी कम्युनिटी की पृष्ठभूमि पर बनी यह फिल्म 1990 के दशक से लेकर 2025 तक का सफर तय करती है और इसमें रोमांस, ह्यूमर और इंसानी जज्बात का खूबसूरत मेल देखने को मिलेगा। फिल्म के सेंटर में हैं तनिशा मुखर्जी, जिनका किरदार जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों से गुजरता है। कपिल के लिए तनिशा को कास्ट करना सिर्फ किसी जाने-पहचाने चेहरे

को दोबारा पर्दे पर लाने की बात नहीं थी, बल्कि ऐसे एक्टर की तलाश थी, जो अलग-अलग उम्र के पड़ावों में इस किरदार को पूरी ईमानदारी के साथ जी सके। तनिशा की वापसी और फिल्म के बारे में बात करते हुए डायरेक्टर कपिल कौस्तुभ शर्मा कहते हैं, तनिशा एक ऐसी एक्टर हैं जिनमें एक खास तरह की इमोशनल क्वालिटी है, जो इस किरदार के लिए बहुत जरूरी थी। कहानी जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों से होकर गुजरती है और मैं चाहता था कि कोई ऐसा कलाकार हो, जो इस सफर में ईमानदारी और गहराई ला सके। जिंदगी फिर भी खूबसूरत है मेरे लिए एक बहुत पर्सनल फिल्म है। यह रिश्तों, बदलते वक्त और आम जिंदगी की खूबसूरती के बारे में है और मुझे

लगता है कि तनिशा ने इस किरदार में एक बेहद खास संवेदनशीलता लाई है। फिल्म में कपिल की कोशिश सिर्फ कहानी सुनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि असली माहौल और असली लोकेशन को पर्दे पर उतारने की भी है। फिल्म के कई हिस्सों की शूटिंग साउथ मुंबई और दादर पारसी कॉलोनी के ऑर्थेंटिक पारसी घरों में की गई है। फिल्म को डेवलप करते वक्त कपिल ने पारसी कम्युनिटी के लोगों के साथ भी करीब से काम किया, ताकि फिल्म में उनकी



संस्कृति, तौर-तरीके और बोलचाल का अंदाज पूरी तरह असली महसूस हो। डिटेलिंग पर यह खास ध्यान कपिल के फिल्ममेकिंग अप्रोच का हिस्सा रहा है। अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों से अपने डेब्यू से लेकर डन्नो वाय ना जाने क्यों, डन्नो वाय 2... लाइफ इज अ मोमेंट और लव इज लव जैसी फिल्मों तक, कपिल ने अलग-अलग विषयों और फॉर्मैट्स में कहानियां कही हैं। लेकिन उनकी कहानियों में इंसानी रिश्ते हमेशा एक अहम हिस्सा रहे हैं। जिंदगी फिर भी खूबसूरत है में कपिल ने कई जिम्मेदारियां अपने कंधों पर ली हैं। फिल्म को लिखने और डायरेक्ट करने के साथ-साथ वह इसे प्रोड्यूस भी कर रहे हैं और इसमें एक्टिंग भी कर रहे हैं।

वह फिल्म में एक पारसी किरदार निभा रहे हैं, जिसका सफर अलग-अलग उम्र के पड़ावों से होकर गुजरता है। इसी वजह से कहानी के बड़े उम्र वाले हिस्सों के लिए उन्हें फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से भी गुजरना पड़ा है। इस फिल्म के पीछे कपिल की अपनी सिनेमाई यादों का भी खास कनेक्शन है। जिंदगी फिर भी खूबसूरत है नाम 1978 की फिल्म खड़ा मीठा के मशहूर गाने से इंस्पायर है। यही वह फिल्म थी, जिसने कपिल को बचपन में पर्दे पर पारसी दुनिया से रूबरू कराया था। फिल्म की एन्सेम्बल कास्ट में तनिशा मुखर्जी के साथ सुषिता मुखर्जी, किंतू गिडवानी, परवीन दरस्तूर, डेलनाज ईरानी, तनाज ईरानी, शाहरुख सिरस ईरानी, डॉली ठाकौर और अनन्या दत्ता नजर आएंगी। कपिल के लिए यह फिल्म एक ऐसी कहानी कहने का मौका है, जो शोर-शराबे से दूर थोड़ी शांत, ज्यादा एमोशनल और रिश्तों के करीब है। साथ ही, इसके जरिए मुंबई और उसकी पारसी कम्युनिटी की एक ऑर्थेंटिक झलक भी बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगी।

युजवेंद्र चहल ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट को अलविदा कहा, देश के लिए टेस्ट खेलने का सपना रहा अधूरा

नई दिल्ली एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। चहल अब कभी भी व्हाइट जर्सी में रेड बॉल क्रिकेट खेलते हुए दिखाई नहीं देंगे। चहल ने इंस्टाग्राम के माध्यम से अपने फैसले की जानकारी दी। चहल ने लिखा, ‘मैंने जो पहली क्रिकेट बॉल पकड़ी थी, वह रेड बॉल थी। मैं 10 साल का था, और मुझे तब कोई अंदाजा नहीं था कि मुझे इस खेल से इतना प्यार हो जाएगा।

मेरे लिए, रेड-बॉल क्रिकेट कभी भी सिर्फ एक और फॉर्मेट नहीं था। यहीं पर मैंने सब, कैचर, मजबूती और घंटों तक मैदान पर रहने, हर रन और हर विकेट के लिए लड़ने की असली खुशी का मतलब सीखा।’ उन्होंने लिखा, ‘मैंने अपना आखिरी फर्स्ट-क्लास मैच लॉर्ड्स में खेला। यह कहना भावुक करने वाला है क्योंकि टेस्ट कैप हमेशा एक सपना था, जिसे मैंने कई सालों तक अपने साथ रखा। हो सकता है कि यह न हुआ हो, लेकिन मैं अपने सफर से सच में खुश हूँ और इस फॉर्मेट में मुझे मिले हर मौके के लिए बहुत शुक्रगुजार हूँ। रेड बॉल ने मुझे मेरी जिंदगी की कुछ सबसे खूबसूरत यादें दीं, और कोई भी चीज इसे कभी नहीं छीन सकती।’ चहल ने लिखा, ‘मैं अभी खत्म नहीं हुआ हूँ। अपने देश के लिए खेलने की भूख अभी भी जिंदा है। मुझे लगता है कि मुझमें अभी भी क्रिकेट बाकी है, और मैं वन-डे और टी20 फॉर्मेट में एक और मौका पाने के लिए अपना सब कुछ लगा दूंगा। हरियाणा क्रिकेट एसोसिएशन, रणबीर सिंह महिंद्रा और अनिरुद्ध सिंह चौधरी को मेरे पूरे सफर में लगातार सहयोग, भरोसे और विश्वास के लिए खास धन्यवाद। 10 साल के बच्चे के तौर पर अपनी पहली रेड बॉल पकड़ने से लेकर अपना आखिरी फर्स्ट-क्लास गेम खेलने तक, यह एक जबरदस्त सफर रहा है। 2009 में हरियाणा की तरफ से मध्य प्रदेश के खिलाफ अपने प्रथम श्रेणी करियर की शुरुआत करने वाले चहल ने अपने करीब 17 साल के करियर में 49 प्रथम श्रेणी मैच खेले, जिनमें उन्होंने 148 विकेट लिए। हालांकि, भारतीय टीम की तरफ से टेस्ट खेलने का उनका सपना पूरा नहीं हो सका।

एशियन गेम्स: जापान को हराकर सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम, मेडल हुआ पक्का

इंचिनोमिया सिटी एजेंसी। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर लिया है। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जापान को 3-0 से हराया। इस जीत के साथ ही भारतीय पुरुष टीम ने एशियन गेम्स 2026 में अपना मेडल पक्का कर लिया है। लक्ष्य सेन ने शुरुआती सिंगल्स मैच में कोडाई नारोका की कड़ी चुनौती का सामना किया। इसके बाद सात्विकसाईंराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की डबल्स जोड़ी ने जीत दर्ज करते हुए भारत को सेमीफाइनल (अंतिम चार) में पहुंचने के करीब पहुंचाया। वहीं, अंत में आयुष शेट्टी ने कोकी वातानाबे को सीधे गेम में हराकर भारत की जीत पर मुहर लगा दी। पहला गेम 11-21 से हारने के बाद लक्ष्य को काफी संघर्ष करना पड़ा। भारतीय खिलाड़ी ने जोरदार वापसी की और दूसरा गेम 21-5 से जीतकर मुकाबला निर्णायक गेम में पहुंचाया। तीसरे गेम में नारोका ने फिर से बढ़त बनाई और पांच अंकों की बढ़त ले ली, लेकिन लक्ष्य ने शानदार वापसी की। उन्होंने स्कोर 19-19 से बराबर किया और फिर अगले दो अंक जीतकर 11-21, 21-5, 21-19 से जीत हासिल की। इसके बाद दुनिया की नंबर 5 भारतीय जोड़ी सात्विकसाईंराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का सामना जापान की दुनिया की नंबर 9 जोड़ी ताकुरो होकी और युगो कोबायाशी से हुआ।

शुरुआती सिंगल्स मैच में कोडाई नारोका की कड़ी चुनौती का सामना किया। इसके बाद सात्विकसाईंराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की डबल्स जोड़ी ने जीत दर्ज करते हुए भारत को सेमीफाइनल (अंतिम चार) में पहुंचने के करीब पहुंचाया। वहीं, अंत में आयुष शेट्टी ने कोकी वातानाबे को सीधे गेम में हराकर भारत की जीत पर मुहर लगा दी। पहला गेम 11-21 से हारने के बाद लक्ष्य को काफी संघर्ष करना पड़ा। भारतीय खिलाड़ी ने जोरदार वापसी की और दूसरा गेम 21-5 से जीतकर मुकाबला निर्णायक गेम में पहुंचाया। तीसरे गेम में नारोका ने फिर से बढ़त बनाई और पांच अंकों की बढ़त ले ली, लेकिन लक्ष्य ने शानदार वापसी की। उन्होंने स्कोर 19-19 से बराबर किया और फिर अगले दो अंक जीतकर 11-21, 21-5, 21-19 से जीत हासिल की। इसके बाद दुनिया की नंबर 5 भारतीय जोड़ी सात्विकसाईंराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का सामना जापान की दुनिया की नंबर 9 जोड़ी ताकुरो होकी और युगो कोबायाशी से हुआ।

मैंस वनडे वर्ल्ड कप 2027: एक ही ग्रुप में भारत-पाकिस्तान, 10 अक्टूबर को हाईवोल्टेज मैच, यहां देखें पूरा शेड्यूल

केप टाउन एजेंसी। आईसीसी मेंस वनडे वर्ल्ड कप 2027 में भारत और पाकिस्तान को मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के साथ ‘ग्रुप-ए’ में रखा गया है। दोनों टीमों के बीच 10 अक्टूबर को हाईवोल्टेज मैच खेला जाना है। ‘ग्रुप-ए’ में भारत, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, सह-मेजबान जिम्बाब्वे और क्वालीफायर-ए से आने वाली टीम शामिल हैं। वहीं, ‘ग्रुप-बी’ में सह-मेजबान साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, बांग्लादेश और क्वालीफायर-बी शामिल हैं। साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में आईसीसी मेंस वनडे वर्ल्ड कप 2027 का आयोजन 2 अक्टूबर से 21 नवंबर के बीच होगा, जिसमें 14 टीमों के बीच 12 वेंचू पर कुल 57 मैच खेले जाएंगे। यह 24 साल के लंबे अंतराल के बाद अफ्रीकी धरती पर इस बड़े 50-ओवर टूर्नामेंट की वापसी का भी प्रतीक है, जिसमें भारत और पाकिस्तान का एक ही पुल में होना, एक हाईवोल्टेज मुकाबले की गारंटी देता है। अफ्रीका ने आखिरी बार साल 2003 में इस प्रमुख टूर्नामेंट की मेजबानी की थी, उस समय साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और केन्या ने इस इवेंट के आठवें संस्करण के

लिए सह-मेजबानी की थी। अपनी आईसीसी रैंकिंग और स्टेटस के आधार पर 10 टीमों ने सीधे क्वालिफिकेशन हासिल कर लिया है, जिनमें मेजबान साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे के साथ भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान शामिल हैं। साउथ अफ्रीका टूर्नामेंट के ज्यादातर मुकाबलों की मेजबानी आठ मैदानों पर करेगा। इनमें वांडरर्स स्टेडियम (जोहान्सबर्ग), सेंचुरियन (त्सवाने), न्यूलैंड्स (केप टाउन), किंग्समीड (डरबन), सेंट जॉर्ज पार्क (गेबेरहा), मंगांग ओवल (ब्लोमफोन्टेन), बोलेैंड पार्क (पार्ल) और बफेलो पार्क शामिल हैं। जिम्बाब्वे हरोर स्पोर्ट्स क्लब (हरारे), क्वींस स्पोर्ट्स क्लब (बुलावायो) और विक्टोरिया फॉल्स में हाल ही में बने फाले मोसी-ओआ-तुन्या इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में मुकाबलों की मेजबानी करेगा। नामीबिया अपने वर्ल्ड कप मैच विंडहोक में हाल ही में बने नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड पर खेलेगा। टूर्नामेंट की शुरुआत एक प्री-टूर्नामेंट क्वालीफायर ‘सुपर सीरीज’ से होगी, जिसमें 12वें, 13वें और 14वें नंबर की टीमों मुख्य प्रतियोगिता के लिए आखिरी क्वालीफाइंग जगह पाने के लिए खेलेंगी।

एशियन गेम्स: परवीन हुड्डा ने नीन-चिन चे को हराकर मुक्केबाजी में देश को दूसरा गोल्ड दिलाया

निशियो एजेंसी। परवीन हुड्डा ने एशियन गेम्स में मेडल का अपना लंबा इंतजार खत्म कर दिया है। 26 साल की परवीन ने महिलाओं की 65 किग्रा कैटेगरी में गोल्ड जीता। एशियन गेम्स 2026 में मुक्केबाजी में भारत का यह दूसरा गोल्ड मेडल है और कुल 13वां गोल्ड मेडल है। परवीन ने शुक्रवार को चीनी ताइपे की नीन-चिन चे के खिलाफ करीबी मुकाबले में फाइनल जीता। भारतीय मुक्केबाज ने शानदार शुरुआत की और पहला राउंड 5-0 से जीता। चे ने दूसरे राउंड में जवाब दिया और यह राउंड 5-0 से जीत लिया। आखिरी राउंड में परवीन ने अपना धैर्य बनाए रखा और राउंड 3-2 से जीतकर गोल्ड मेडल पक्का कर लिया। यह कामयाबी परवीन के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने 2025 वर्ल्ड कप में गोल्ड मेडल जीता था, 2022 वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीता था और 2022 एशियन चैंपियनशिप में गोल्ड जीता था। परवीन अब एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाली तीसरी भारतीय महिला हैं। दिग्गज

एमसी मैरी कॉम ने इंचियोन में 2014 एशियन गेम्स में महिलाओं की 51 किग्रा स्पर्धा में गोल्ड जीता था। गोल्ड जीतने वाली दूसरी भारतीय महिला मुक्केबाज



लवलीना हैं। लवलीना ने शुक्रवार को (आज ही कुछ घंटे पहले) अपने 29वें जन्मदिन पर 75 किग्रा के फाइनल में चीन की जियाई बाओ को 5-0 से हराकर गोल्ड मेडल जीता था। टोक्यो ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली लवलीना ने बाओ के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन करके पिछले एडिशन में जीते सिल्वर मेडल में सुधार किया और इस तरह अपने लिए एक शानदार बर्थडे गिफ्ट हासिल किया। लवलीना, मैरी कॉम के बाद दूसरी भारतीय महिला हैं, जिन्होंने एशियन गेम्स में बॉक्सिंग में गोल्ड

मेडल और ओलंपिक मेडल जीता है। इसके साथ ही लवलीना एशियन गेम्स में लगातार दो बार फाइनल में पहुंचने और गोल्ड और सिल्वर मेडल जीतने वाली पहली महिला मुक्केबाज हैं।

गीत सेठी के लिए खास है 3 अक्टूबर, 1992 में जीता था विश्व पेशेवर बिलियर्ड्स चैंपियनशिप का खिताब



नई दिल्ली एजेंसी। गीत सेठी का नाम भारत के प्रसिद्ध बिलियर्ड्स और स्नूकर खिलाड़ियों में शुमार है। 1990 के दशक में सेठी ने इस खेल में अपना दबदबा बनाया था। गीत सेठी का जन्म 17 अप्रैल, 1961 को दिल्ली में हुआ था। उनका पूरा नाम गीत श्रीराम सेठी है। अहमदाबाद में पले-बढ़े सेठी ने 13 साल की उम्र में बिलियर्ड्स खेलना शुरू किया था। गुजरात स्पोर्ट्स क्लब में उनकी मुलाकात उस समय के एक बहुत ही सफल बिलियर्ड्स खिलाड़ी सतीश मेनन से हुई

और उन्होंने उनसे महत्वपूर्ण टिप्स और मार्गदर्शन लिया। उन्होंने पहली बार 1982 में इंडियन नेशनल बिलियर्ड्स चैंपियनशिप में माइकल फेरेरा को हराकर इंटरनेशनल लेवल पर अपनी पहचान बनाई। सेठी ने 1985 से 1988 तक लगातार चार साल तक नेशनल बिलियर्ड्स चैंपियनशिप जीती। उन्होंने 1997 और 1998 में फिर से यह टाइटल जीता। बिलियर्ड्स के अलावा सेठी ने 1985-1988 के दौरान लगातार चार बार राष्ट्रीय स्नूकर चैंपियनशिप भी जीती।

अक्टूबर 1992 का दिन गीत सेठी के लिए बेहद अहम और यादगार है। सेठी ने इस दिन विश्व पेशेवर बिलियर्ड्स चैंपियनशिप का खिताब जीता था। उन्होंने श्री-पॉट नियम के तहत 1276 का विश्व रिकॉर्ड इंग्लिश बिलियर्ड्स ब्रेक हासिल किया। 1992 में बिलियर्ड्स चैंपियनशिप का खिताब जीतने के बाद सेठी रुके नहीं और 1993, 1995, 1998 और 2006 में भी यह उपलब्धि हासिल की। 1989 में गुटूर में आयोजित एक प्रतियोगिता में उन्होंने 147 का अधिकतम ब्रेक लगाकर इतिहास रच दिया। वे क्यू-स्पोर्ट्स के इतिहास में इकलौते खिलाड़ी हैं, जिन्होंने प्रतिस्पर्धी स्नूकर में 147 और बिलियर्ड्स में 1000+ का ब्रेक बनाया। अपने करियर के दौरान गीत सेठी ने भारतीय क्यू-स्पोर्ट्स को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाई। एशियाई खेलों में भी सेठी का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने 1998 के एशियन गेम्स में स्वर्ण और रजत, 2002 के एशियन गेम्स में रजत और कांस्य, और 2006 के एशियन गेम्स में कांस्य पदक जीते। गीत सेठी ने 2013 में संन्यास ले लिया था। उन्हें मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार, पद्मश्री और अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है।

भारत को मेडल जिताने के लिए खेलना एक अलग ही एहसास देता है: ईशान किशन

निशिन एजेंसी। ईशान किशन ने ‘एशियन गेम्स 2026’ के सेमीफाइनल में श्रीलंका के खिलाफ 46 गेंदों में 5 छक्कों और 4 चौकों के साथ 80 रन की पारी खेली।विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान ने माना कि एशियन गेम्स में देश का प्रतिनिधित्व करने पर एक खास तरह का दबाव महसूस होता है, जो सामान्य अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों से अलग होता है। उन्होंने कहा कि मेडल जीतने की कोशिश पूरी टीम में एक अलग और दिल को छू लेने वाली भावना पैदा करती है।कोरोंगि स्पोर्ट्स पार्क में किशन की शानदार पारी के दम पर भारत ने 7 विकेट खोकर 169 रन बनाए। इसके जवाब में श्रीलंका सिर्फ 45 रन पर सिमट गई।मैच के बाद ईशान किशन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ‘??’जब आप भारत के लिए खेलते हैं, खासकर जब बात मेडल की हो, तो यह आपके दिल पर असर डालता है।यह सिर्फ बीसीसीआई से जुड़े होने की बात नहीं है – यहां हमेशा भारत की बात होती है।चारों ओर इतने सारे झंडे लहरा रहे होते हैं और इतने सारे लोग आपका उत्साह बढ़ा रहे होते हैं।तो आपको अंदर से वह एहसास होता है, भले ही आप उसे बाहर न दिखाएं, लेकिन मुझे लगता है कि यह कुछ अलग है, भले ही हमारी टीम बहुत अच्छी हो और हमारे पास बेहतरीन गेंदबाज और बल्लेबाज हों।फिर भी, सच कहूं तो मुझे लगता है कि यहां थोड़ा ज्यादा दबाव होता है।’दरारों वाली पिच पर खेलते हुए, किशन ने जीत दिलाने वाला स्कोर बनाने के लिए एक सेट बल्लेबाज के पूरी पारी तक टिके रहने की अहमियत पर जोर देते हुए कहा, ‘मुझे लगता है कि हमारे लिए उस स्कोर तक पहुंचना बहुत जरूरी था।सबसे पहले, जब आप मैदान पर उतरते हैं तो आप लक्ष्य तय करते हैं; आपको पता होता है कि इस तरह की पिच पर कितने रन



बनाने की जरूरत है।खासकर जब आपकी टीम में स्पिनर हों, तो सुरक्षित स्थिति में रहने के लिए आपको इस पिच पर कम से कम 150 के आसपास रन बनाने होते हैं।मकसद स्पष्ट था, बस किसी तरह 150 रन तक पहुंचना था और मैं उस समय वही शॉट्स खेल रहा था जिनकी जरूरत थी।’ऐसी पिच पर टीम की रणनीतिक के बारे में बताते हुए, जहां अनुभवी बल्लेबाजों को भी मुश्किल हो रही थी, किशन ने कहा, ‘सच कहूं तो, यह बहुत मुश्किल है।मुझे क्रीज पर बहुत ज्यादा भरोसा नहीं हो रहा था, लेकिन हमारी टीम ने मीटिंग की थी और हमारे पास एक प्लान था।जो भी बल्लेबाज क्रीज पर जम गया हो, उसे 20 ओवर तक खेलना चाहिए क्योंकि यही बड़े रन बनाने और टीम को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाने का सबसे अच्छा तरीका है, क्योंकि अगर कोई नया बल्लेबाज आता है और आप उससे तुरंत बड़े शॉट्स खेलने या तेजी से रन बनाने के लिए कहते हैं, तो उसके लिए ऐसा करना बहुत मुश्किल होता है।लेकिन साथ ही, जैसा कि हमने बात की थी, अगर कोई बल्लेबाज क्रीज पर जम गया है, तो उसे बस बड़े रन बनाने की कोशिश करनी चाहिए।’जब ईशान से पूछा गया कि क्या ऐसी पिचों के अनिश्चित स्वरभाव के कारण इतने अहम फाइनल में किस्मत का रोल ज्यादा हो जाता है,

एशियन गेस: ‘हालात बिल्कुल भी अच्छे नहीं थे’, सेमीफाइनल में पाकिस्तान से हार के बाद बोले बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास

प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक दीप्ति दुबे
द्वारा ए 1470, सेक्टर आई, एल.डी.ए. कॉलोनी, कानपुर रोड लखनऊ 226012 से प्रकाशित व तानु आफसेट, लालकुआं लखनऊ से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटया जायेगा।

टेलीफैक्स : 0522.3564414

फोन: 919839666352

आर.एन.आई.:

UPHIN/2004/18844

डाकपंजीयन :-

जी-2 / न्यूज पेपर / 59 / 2004-5

E-mail:

lokhashtakshep@gmail.com

संपादक : दीप्ति दुबे

स्थानीय संपादक : अंजये अजय

संपादकीय सलाहकार : राधाकृष्ण मिश्र

एशियन गेम्स: भारत के पुरुष क्वाइट ने सेपकटकराव में ब्रॉन्ज मेडल जीता

नागोया एजेंसी। एशियन गेम्स 2026 में नागोया सिटी मिजुहो पार्क जिम्नेजियम में शुक्रवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में जापान से 0-2 से हारकर भारतीय पुरुष क्वाइट टीम को सेपकटकराव में ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। मालेमंगनबा सिंह सोरोखाइबाम, राम कुमार शर्मा, बॉबी कुमार और आकाश युमनाम (लोखोन सिंह एलांगबाम और टेकोंग अरुण स्व्स) की भारतीय क्वाइट सेमीफाइनल में युकी सातो, रयूया हारुहारा, वतारु नारवा और योटा इचिकावा (सेया ताकानो और तोशिताका नाइतो स्व्स) की जापानी क्वाइट से 12-15, 13-15 के करीबी अंतर से हार गई। एशियाड में यह भारत का सेपक टकरा में सिर्फ तीसरा मेडल है। भारत ने 2018 जकार्ता गेम्स में पुरुषों की टीम रेगु में ब्रॉन्ज मेडल जीता था और उसके बाद 2023 हांगझोऊ गेम्स में महिलाओं की टीम रेगु में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। भारतीय पुरुषों की टीम ने तीनों मैच जीतकर ग्रुप ए में टॉप पर जगह बनाई। उसने लीग स्टेज में वर्ल्ड कप विनर म्यांमार को भी चौका दिया था और वियतनाम और लाओस को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई और ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। इस बीच, भारतीय महिलाओं की टीम ग्रुप स्टेज में ही

बाहर हो गई। वह अपने तीन मैचों में कोई जीत हासिल किए बिना ग्रुप ए में चौथे स्थान पर रही। महिलाओं के डबल्स में भारत अपने ग्रुप बी में चौथे स्थान पर रहा और खेले गए तीनों गेमों में से एक भी गेम नहीं जीत पाया। भारतीय पुरुषों की रेगु टीम भी नॉकआउट में जगह बनाने में नाकाम रही और एक जीत और दो हार के साथ ग्रुप बी में तीसरे स्थान पर रही। भारत के लिए शुक्रवार का दिन शानदार रहा है। टीम अब तक 2 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य सहित कुल 6 पदक जीत चुकी है।लवलीना बोरागेहन ने महिलाओं की 75 किग्रा कैटेगरी के फाइनल में चीन की बाओ जियाई को हराकर गोल्ड मेडल जीता। महिला रिकर्व आर्चरी टीम, जिसमें अंकिता भक्त, कीर्ति और कुमकुम मोहोद शामिल थीं, ने 10 बार की चैंपियन साउथ कोरिया को हराकर गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया। कुमकुम मोहोद और धीरज बोम्मादेवरा ने भी रिकर्व मिक्स्ड टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीता। धीरज, नीरज चौहान और यशदीप भोगे ने भी पुरुषों की रिकर्व टीम फाइनल में सिल्वर मेडल जीता। नेत्रा कुमानन ने महिलाओं की डिगी में ब्रॉन्ज मेडल जीता।

टैक्स आधार बढ़ाकर मजबूत करेंगे हरियाणा की राजस्व व्यवस्था: मुख्यमंत्री

चंडीगढ़ ।

राजेंद्र सिंह जादौन

चंडीगढ़। हरियाणा में भाजपा सरकार और भाजपा नेता भले ही धान का दाना दाना समर्थन मूल्य पर आसान तरीके से खरीद लेने का दावा करते हो लेकिन करनाल जिले की घरौड़ा की नई अनाज मंडी में गुरुवार को गुजरी घटना इन दावों को खारिज करती है। धान खरीद को लेकर गुरुवार को किसान और खरीद एजेंसी के अधिकारियों के बीच विवाद हो गया और कई दिन से धान की खरीद नहीं होने से परेशान किसान ने सभी के सामने जहरीला पदार्थ पीने की कोशिश की। जैसे ही किसान ने जहरीले पदार्थ की बोतल का ढक्कन खोला, आसपास खड़े किसानों ने उसे तुरंत पकड़ लिया। उन्होंने उसके हाथ से बोतल छीनकर नीचे फेंक दी और रोक लिया।

किसान का आरोप है कि धान में नमी की

मात्रा सही होने के बावजूद हैफेड (हरियाणा राज्य सहकारी आपूर्ति और विपणन संघ लिमिटेड) के अधिकारी बार-बार नई कमी निकालकर खरीद से मना कर रहे थे। हालांकि, हंगामे के बाद उसकी धान की ढेरी खरीद के लिए लिखी गई।

गांव खेड़ी मुनक निवासी किसान जितेंद्र सिंह ने बताया कि वह 24 सितंबर को चार एकड़ की धान घरौड़ा मंडी में लेकर आया था। धान शेड में उतार दी थी, लेकिन इसके बाद बारिश होने से खरीद नहीं हो सकी। सरकार ने 29 सितंबर से धान की सरकारी खरीद शुरू की। उसने 30 सितंबर को धान की सफाई करवाई और नमी चेक करवाई तो 17.7 आया। इसके बावजूद एजेंसी ने धान खरीदने से मना कर दिया।

जितेंद्र ने बताया कि वह गुरुवार सुबह 7 बजे मंडी पहुंचा। उसने 100 रुपए प्रति क्विंटल

के हिसाब से धान शेड से बाहर डलवाई और दिनभर उसे सुखाकर नमी कम करवाई। इसके बाद नमी 13 आई, लेकिन फिर भी खरीद से इनकार कर दिया गया। खरीद एजेंसी की ओर से कहा गया कि धान में धूल-मिट्टी हो गई है। किसान का कहना है कि ज़ीरी को जितना सुखाया जाएगा, उतनी ही धूल दिखाई देगी।

किसान ने बताया कि वह हैफेड के खरीददार प्रवीन कुमार और मंडी सचिव के पास भी गया। सचिव ने भी प्रवीन को धान खरीदने के लिए समझाया, लेकिन खरीददार नहीं माना। किसान के अनुसार प्रवीन ने कहा कि चाहे कुछ भी कर लो, वह धान नहीं लिखेगा। साथ ही धान पर बिजली का पंखा लगवाने को कहा गया। किसान का कहना है कि मंडी में बिजली का पंखा ही नहीं है तो वह पंखा कहाँ से लगावाए।

जितेंद्र ने कहा कि बार-बार अधिकारियों की

ओर से धान खरीदने से मना किए जाने से वह परेशान हो गया। इसी कारण उसने कोड़े मारने वाली दवाई पीने का प्रयास किया, लेकिन आसपास मौजूद लोगों ने उसे पकड़ लिया। उसने बताया कि उसने 70 एकड़ में धान लगाई हुई है और फिलहाल चार एकड़ की धान मंडी में लेकर आया है। घर-परिवार और खेत की जिम्मेदारी भी है, ऐसे में वह पूरा दिन मंडी में पड़ा नहीं रह सकता। किसान ने सवाल उठाया कि हंगामे के बाद जब उसकी ढेरी खरीद के लिए लिख ली गई तो ब्या अब उसकी धान ठीक हो गई।

मंडी के पूर्व प्रधान एवं आदृती विनोद जैन ने आरोप लगाया कि किसानों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 17 नमी की मांग है, जबकि किसानों की धान में नमी 12 से 13 तक है। धान की सफाई के लिए बड़ और झरना भी लगा दिया गया, फिर भी

इंस्पेक्टर इलेक्ट्रिक पंखा लगाने की बात कह रहा है। उन्होंने कहा कि किसान पंखा कहाँ से लेकर आए। उनके अनुसार एजेंसी की अपनी मनमानी चल रही है और किसान परेशान हैं। हैफेड के इंस्पेक्टर ने बताया कि सरकार के नियमों के अनुसार ही धान की खरीद की जा रही है। धान में 17 नमी होना चाहिए और सफाई भी जरूरी है। जिन ढेरियों में नमी सही थी, उनकी खरीद की जा रही है।

मंडी मार्केट कमेटी के सचिव सुनील कुमार ने कहा कि सरकारी नियमों के अनुसार ही एजेंसियां धान खरीद रही हैं। जहां किसानों को परेशानी आ रही है, वहां उसका समाधान कराया जा रहा है। एजेंसी और किसानों के बीच सामंजस्य बनाने का प्रयास किया जा रहा है। किसानों को किसी तरह की दिक्कत नहीं आने दी जाएगी।

महाराष्ट्र में लगातार चल रहा है एफडीए का का चाबुक, 31 प्रतिष्ठानों के लाइसेंस को किया निलंबित

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने त्योहारी सीजन में की गई कार्रवाई के तहत खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने के लिए 31 प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं। गुरुवार को जारी एक बयान में एफडीए ने कहा कि इन प्रतिष्ठानों में मुंबई डिवीजन में 12, कोंकण डिवीजन में 12, पुणे डिवीजन में छह और छत्रपति संभाजीनगर डिवीजन में एक प्रतिष्ठान शामिल है। एफडीए ने बताया कि यह कार्रवाई 28 से 30 सितंबर के बीच होटलों, रेस्तरां, ढाबों, क्लबों और अन्य प्रतिष्ठानों के निरीक्षण के दौरान की गई।

एफडीए के बयान में बताया गया है कि उल्लंघनों में कीड़े का संक्रमण, खाद्य पदार्थों का गलत तरीके से भंडारण और रख-रखाव, कर्मचारियों के मेडिकल फिटनेस रिकॉर्ड का न होना और अनिवार्य खाद्य सुरक्षा रिकार्ड न रखना शामिल था।

हरियाणा में सरपंच को कॉल कर मांगी गई पांच करोड़ की फिरोती

लोक हस्तक्षेप समाचार

चंडीगढ़। हरियाणा में रंगदारी वसूली के लिए लोगों को कॉल कर धमकी दिए जाने का सिलसिला थम नहीं रहा। अब करनाल जिले में मंगलौरा के सरपंच को विदेशी नंबर से फोन कर 5 करोड़ रुपए की फिरोती मांगी गई। कॉलर ने जवाब नहीं देने पर गोली चलाने और बेटे को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी। इससे पहले भी सरपंच को 12 अगस्त को फोन पर धमकी मिली थी।

अब गुरुवार रात गांव के स्वागत गेट पर लगे सरपंच के पोस्टर पर फायरिंग की गई। सरपंच को पुलिस सुरक्षा मुहैया कराई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, बीती 20 सितंबर को सरपंच मनजीत मंगलौरा के फोन पर डू विदेशी नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले ने पंजाबी भाषा में खुद को एक बड़े गैंग का सदस्य बताते हुए 5 करोड़ रुपए की फिरोती मांगी। उसने कहा कि उसे सरपंच की गतिविधियों

और लोकेशन की जानकारी है। फिरोती की धमकी देते हुए व्यक्ति ने पंजाबी भाषा में कहा कि मनजीत क्या हाल है। मैं लॉरेंस बिश्नोई ग्रुप से डी.के बोल रहा हूं। तू हमारे बारे में पता कर सकता है, पुलिस प्रशासन से हम कौन हैं? हमने तुमको 5 करोड़ रुपए की फिरोती के लिए कॉल किया है। तेरा लड़का चंडीगढ़ जाकर बहुत रोला कर रहा है। हमें सब पता है कि तुम कब बाहर निकलते हो, तेरी लोकेशन का हमें सब पता है।

आप समझदार हो, आपको पता है। अगर ना मैसेज किया, तो गोली चलेगी, जिसका जिम्मेदार तुम खुद होगे। नो चंडीगढ़ में फेरी लगा रहा है। यदि तुमने मैसेज का रिप्लाई या फोन न किया, तो आपका लड़का कल से वापिस आपके घर नहीं आएगा। तुमने हमारी बात का कोई जवाब नहीं दिया, हमें तुम्हारी जगह जहां पर आप जाते हो, पता है। हमें सब पता है, तुम कहाँ पर आते-जाते हो। मामले में 30 सितंबर को थाना मधुबन में मुकदमा दर्ज

किया गया। शिकायत में सरपंच मनजीत कुमार ने गांव मंगलौरा के तीन युवकों पर रेकी करने और साजिश में शामिल होने का शक जताया है। पुलिस अब इन तीनों तक पहुंचने और पुछताछ का प्रयास कर रही है। ये तीनों मजदूरी का काम करते हैं। मनजीत, गांव मंगलौरा थाना मधुबन का मौजूदा सरपंच है। यह करनाल में यमुना नदी क्षेत्र में मैक्स माईनिंग खनन कंपनी के साथ में काम कर रहा है और पलवल में भी एम.एम. ट्रेडर्स के नाम से खनन का काम है। इसका मेरठ रोड पर मंगलौरा में एक पैट्रोल पंप है।

सरपंच को इससे पहले 12 अगस्त को फोन पर धमकी मिली थी। इस संबंध में उसने पुलिस अधीक्षक करनाल को जानकारी दी थी। इसके बाद कुछ समय तक धमकी आनी बंद हो गई थी, लेकिन अब दोबारा धमकी मिलने के साथ स्वागत गेट पर लगे पोस्टर पर फायरिंग की घटना सामने आई है। पुलिस दोनों मामलों को जोड़कर भी जांच कर रही है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने पैदल चल रहे सात लोगों को गाड़ी से रौंदा, ड्राइवर गिरफ्तार

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद के कमला नगर इलाके में कुशाइगुडा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की कार ने पैदल चल रहे लोगों को टक्कर मार दी। यह घटना 29 सितंबर की है। इस मामले में कार ड्राइवर की पहचान सॉफ्टवेयर इंजीनियर के तौर पर हुई है। जांच में सामने आया है कि जब यह हादसा हुआ, तब वो नशे में धुत था। पुलिस ने कार ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस घटना का CCTV फुटेज भी सामने आया है, जो कि सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। इस हादसे में सात लोग घायल हो गए, जिनमें से तीन को गंभीर चोटें आईं। बताया जा रहा है कि पीड़ित बिहार के रहने वाले थे। घायलों को इलाज के लिए ECIL इलाके के एक अस्पताल में ले जाया गया। घटना के CCTV फुटेज में देखा जा सकता है कि लोगों का एक समूह सड़क पर चल रहा है और कुछ ही समय के बाद एक कार पीछे से आती है और सभी को टक्कर मार देती है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी पवन शराब के नशे में गाड़ी चला रहा था, तभी कार सड़क किनारे चल रहे पैदल यात्रियों से टकरा गई। घटना के समय कार में एक और व्यक्ति भी मौजूद था। कुशाइगुडा पुलिस ने पवन और उसके साथ यात्रा कर रहे दूसरे व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की आगे की जांच चल रही है।

आवश्यकता है

वाराणसी, लखनऊ और नई दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी दैनिक ‘लोक हस्तक्षेप’ के लिए आवश्यकता है महिला एवं पुरुष विज्ञापन प्रतिनिधियों की ।



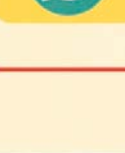
विज्ञापन के क्षेत्र में अनुभवी व फ्रेशर भी आवेदन कर सकते हैं ।



सम्पूर्ण विवरण सहित आवेदन करें ।



lokhastakshepcorp@gmail.com



WhatsApp : 9839666352

लोक हस्तक्षेप

The power of truth

वाराणसी | लखनऊ | नई दिल्ली

21 YEARS OF FEARLESS JOURNALISM DEFINING THE POWER OF TRUTH.

लखनऊ | वाराणसी | नई दिल्ली